Postal Regd. No : L/SLN/98/ 2019-21
RNI. Regd. No 66124/97
D.A.V.P No.131488

केन्द्र एवं हिमाचल सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त
हिमाचली संस्कृति एवं जनभावनाओं का सहज प्रवक्ता

हिम हिमवन्ती

नाहन (सिरमौर)
वर्ष : 23 अंक : 49
प्रत्येक बुधवार
4 से 10 दिसम्बर 2019
पृष्ठ : 8 मूल्य : तीन रुपये
हिन्दी साप्ताहिक
सम्पादक : अरविन्द गोयल

www.himwanti.in E-mail : himwantimedia@gmail.com
WhatsApp 9318855025 @himwantimedia

खान सुरक्षा सप्ताह 2019 के तहत पांवटा में ट्रेड टेस्ट का आयोजन

देश हित मे जरूरी है खनन-डोले

खान सुरक्षा महानिदेशालय गाजियाबाद के निदेशक मुख्य अतिथि एम. डोले, उपनिदेशक ए.के.दास दीप प्रज्ज्वलित करते हुए, साथ में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी आर.पी. तिवारी एवं अन्य।

पांवटा (ब्यूरो). खान सुरक्षा महानिदेशालय गाजियाबाद की ओर से खान सुरक्षा सप्ताह 2019 के तहत 12 श्रेणी में पांवटा साहिब में ट्रेड टेस्ट का आयोजन किया गया। जिसमें निदेशक खान सुरक्षा गाजियाबाद एम.डोले मुख्यातिथि के रूप में पधारे। इस दौरान खान निदेशालय के उपनिदेशक ए के दास मौजूद थे। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी आरपी तिवारी थे। ट्रेड टेस्ट में तीन राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड ओर हरयाणा की 32 खानों के कर्मचारियों ने अलग अलग ट्रेड में भाग लिया। 32 खानों में पांच मशीनीकृत,एक भूमिगत खान , छः अर्ध मशीनीकृत ओर 20 मैन्युअल खान ने भाग लिया। ट्रेड टेस्ट में माइनिंग मेट, ब्लास्टर,फर्स्ट ऐडर, डोजर ऑपरेटर,शॉवेल ऑपरेटर, कम्प्रेसर, ड्रिल ऑपरेटर, डंपर ऑपरेटर, एलेक्टिटलरिशन, ऑटो इलेक्ट्रीशियन, मैकेनिक ओर फीटर ट्रेड में प्रतिभागियों के गुणवत्ता को जांचा गया। इस मौके पर अल्ट्राटेक से चन्दकान्त उंढाले, सिरमौर माइन ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष मीत सिंह, तपेन्द्र ठाकुर, अशोक तोमर, डीके सिन्हा, पीके पंथ, पीके सिन्हा, नीलेश,जॉब कुरियन, भरत सिंह ठाकुर, के आर चौधरी मौजूद रहे।

खान सुरक्षा महानिदेशालय गाजियाबाद के निदेशक मनोरंजन डोले ने कहा की भारत सरकार की खनन नीति जल्द ही बदलने वाली है। खनन देश हित मे जरूरी है। भारत की अर्थव्यवस्था में खनन का अहम रोल है। खनन से ही देश आगे बढ़ रहा है। खनन में कार्य करने वाले श्रमिको का भारत की अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा रोल है। पहाड़ी क्षेत्र में खनन करना कठिनाईयों से भरा है। श्रमिको को सुरक्षा की दृष्टि से खानों में कार्य करना चाहिए। उपनिदेशक ए के दास ने कहा कि खान श्रमिको को ध्वनि ओर धूल से बचना जरूरी है।

डोजर ऑपरेटर में प्रथम पुरस्कार अल्ट्राटेक के धनंजय, द्वितीय बल्दवा माइन के जैन उल हक को मिला। फिटर ओर मैकेनिक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार अम्बुजा सीमेंट के मान सिंह और द्वितीय सीसीआई सीमेंट के अनिल शर्मा को मिला। ब्लास्टर में प्रथम पुरस्कार अम्बुजा सीमेंट के राकेश कुमार और द्वितीय अल्ट्रा टेक के शंकर प्रसाद को मिला। माइनिंग मेट श्रेणी में प्रथम पुरस्कार सीसीआई सीमेंट के जगदीश ओर द्वितीय सैंड स्टोन माइन हरियाणा के रमेश चंद को मिला। कंप्रेसर ऑपरेटर में प्रथम पुरस्कार संगड़ाह माइन के लायक राम और द्वितीय स्थान में दुर्गा लाइम स्टोन माइन के बाबु राम रहे। ड्रिल ऑपरेटर में अम्बुजा सीमेंट के देवेंद्र कुमार और द्वितीय स्थान पर बल्दवा माइन के खड़क सिंह रहे। डंपर ऑपरेटर में अल्ट्राटेक सीमेंट के रचपाल सिंह और बल्दवा माइन के प्रताप सिंह द्वितीय स्थान पर रहे। ऑटो इलेक्ट्रीशियन श्रेणी में सीसीआई सीमेंट के दीप चंद प्रथम ओर अल्ट्राटेक के राजेन्द्र रणजीत ठाकुर द्वितीय स्थान पर रहे। इलेक्ट्रीशियन श्रेणी में एसीसी सीमेंट के बहादुर सिंह प्रथम ओर अम्बुजा सीमेंट के अमरनाथ द्वितीय स्थान पर रहे। फर्स्ट ऐडर श्रेणी में भूतमडी माइन के अरविंद सिंह प्रथम ओर सीसीआई सीमेंट के नागेंद्र सिंह द्वितीय स्थान पर रहे।

तिरूपति ने फिर रचा इतिहास

पांवटा साहिब की जानी मानी इकाई तिरूपति ग्रुप के डायरेक्टर अरूण गोयल मुम्बई में एक समारोह के तहत प्रिमियर वेंडर एसोसियेशन सम्मान से सम्मानित होते हुए।

गुरदीप सिंह गैरी ने मनाई अपनी 10वीं वैवाहिक वर्षगांठ

भवनप्रीत कौर लग रही थी नई नवेली दुल्हन

गुरदीप सिंह गैरी एवं उनकी धर्मपत्नी भवनप्रीत कौर अपनी 10 वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर अपने माता-पिता बलदेव कौर एवं सरदार महेन्द्र सिंह का आशीर्वाद लेते हुए

पांवटा (ब्यूरो) शहर के जाने–माने कारोबारी सरदार महेन्द्र सिंह के सुपुत्र प्रसिद्ध समाजसेवी गुरदीप सिंह गैरी ने अपनी शादी की 10 वीं सालगिरह होटल पैराडाईस के सभागार में बड़ी धूमधाम से मनाई। इस मौके पर उनकी पत्नी भवनप्रीत कौर जिसे प्यार से सभी परिजन डोली नाम से पुकारते हैं, खूब सजध ाज कर नई नवेली दुल्हन की तरह थिरक रही थी। दोनों संताने हरमन कौर (निनिया) व गुर अभय वीर सिंह (गेबू) भी इस समारोह में पूरी तरह खुश होकर नाच गाकर खुशी जता रहे थे। इस समारोह में पूरे परिवार के साथ–साथ काफी संख्या में उत्तरांचल व शिमला से भी मित्रगण शामिल थे। डोली के भाई–भाभी भी इस समारोह में शरीक होने के लिए विशेष रूप से अमेरिका से पधारे। गुरदीप सिंह का पूरा परिवार इस मौके पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराए हुए था। इस तरह का पांवटा साहिब में ये पहला कार्यक्रम था जहॉ कैट वॉक, रैंप वॉक, कप्पल डांस व विभिन्न तरह के फनी गेम्स भी हुए, जबकि आकर्षक नृत्य भी युवती, युवकों व बच्चों द्वारा पेश किये गये। लेकिन सबसे गरिमा पूर्ण बात यह थी कि पेशेवर नृत्यांगनाएं नहीं बुलाई गई, इसलिए इस कार्यक्रम की भव्यता और भी बढ़ गई। जहॉ पाश्चात्य संस्कृति का मंचन हुआवहीं पहाड़ी नाटी भी पेश की गई और कार्यक्रम देर रात तक चला। इस समारोह में मंच संचालन बेहतरीन ढंग से महेन्द्र सिंह के भतीजे हरविन्द्र सिंह की पत्नी नवनीत कौर राज ने बखूबी निभाया जो दिल्ली में रहती है और इस समारोह में विशेष रूप से पधारी थी। उन्होंने एक पेशेवर कलाकार की भांति जहॉ अपनी प्रतिभा को उजागर किया वहीं सभी उपस्थितजनों ने उनकी कला की तारीफ की। इस मौके पर उत्तरांचल व हिमाचल के अनेकों गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे जिनमें पांवटा के विधायक चौधरी सुखराम, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति के चेयरमैन बलदेव तोमर, कांग्रेसी नेता गीताराम ठाकुर, देहरादून के प्रख्यात चिकित्सक विमल नौटियाल, नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन सरदार ओंकार सिंह, पौंटिका एरोटैक के डायरेक्टर मदन लाल गर्ग, कांग्रेसी नेता तपेन्द्र सिंह, हरप्रीत सिंह, साथ लगते प्रदेश उत्तरांचल के विकासनगर के ब्लॉक प्रमुख सरदार हरविन्द्र सिंह बिट्टू, प्रख्यात समाजसेवी व रोटरी उप गवर्नर नरेन्द्र पाल सिंह सहोता, तिरूपति ग्रुप के डायरेक्टर अशोक गोयल, तिरूपति ग्रुप के ही डायरेक्टर अरूण गोयल, अमित गोयल, नीना गोयल, कविता गोयल, अरविन्द गोयल, अंशुल गोयल आदि शामिल थे। रैंप वॉक में प्रथम स्थान अरूण गोयल व कविता ने जीता तो तालियों की गड़गड़ाहट से सभी उपस्थितजनों ने उनको बध ाई दी।

सरदार महेन्द्र सिंह व उनकी पत्नी बलदेव कौर इस मौके पर अपने पूरे परिवार के साथ काफी खुश नज़र आई। सभी आगन्तुकों का पूरे परिवार ने बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया जिससे आगन्तुक भी फूले नहीं समा रहे थे।

दिव्यांगों को मुख्य धारा में लाने के लिए सरकार प्रयासरत-डॉ.परूथी

नाहन (प्रे.वि). दिव्यांगों को मुख्य धारा में लाने के लिए सरकार के प्रयास के साथ जन सहभागिता भी आवश्यक है। यह विचार उपायुक्त सिरमौर डा0आर0के0 परूथी ने विश्व दिव्यांगता दिवस के अवसर पर नाहन के आस्था स्पेशल स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने बताया कि दिव्यांगता दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगों के प्रति लोगो के व्यवहार में बदलाव लाने और दिव्यांगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति करूणा, आत्मसम्मान और उनके जीवन को बेहतर बनाने में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है ताकि वह आम नागरिक की तरह सम्मान पूर्वक जीवन यापन कर सके जिसके लिए सरकार विभिन्न तरह की योजनाएं चला रही है।

इससे पूर्व जिला कल्याण अधिकारी विवेक अरोड़ा ने मुख्यातिथि का स्वागत करते हुए डिजिटल अपंगता प्रमाण पत्र (यूडीआईडी) व दिव्यांगजनों के अधिकारों के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। इससे पहले आस्था वेलफेयर सोसायटी के संयोजक आशुतोष ने मुख्यातिथि व अन्य अतिथियों का विश्व विकलांगता दिवस समारोह में सम्मिलत होने के लिए आभार व्यक्त किया तथा अपनी मांगें रखी।

स्वास्थ्य चर्चा

बहुत गुणकारी व कई बीमारियों में लाभकारी है मैथी दाना

मैथी दाने का उपयोग घर में मसाले के रूप में किया जाता है, जो हमारे भोजन के स्वाद को कहीं ज्यादा बढ़ा देता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुबह के समय मैथी दाना खाने से आप कई बीमारियों से बच सकते हैं। इसके फायदे जानकर हैरान हो जाएंगे आप।

लेकिन सबसे पहले जानते हैं कि आपको मैथी दाने का सेवन कैसे करना है?

1 चम्मच मैथी दाना रातभर पानी में भिगोकर रख दीजिए और सुबह खाली पेट इसका सेवन करें। मैथी दाने को अच्छे से चबा–चबाकर खा लें और इसके पानी को भी पी लें।

मैथी दाना खाने के फायदे –

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो रोज सुबह खाली पेट मैथी दाने का सेवन करें। यह आपको वजन कम करने में बहुत फायदा पहुंचाएगा।

एसिडिटी की प्राब्लम होगी दूर – अगर किसी को एसिडिटी की परेशानी है, तो उन लोगों के लिए भी मैथी दाना फायदेमंद होता है।

शुगर के मरीजों को मैथी दाने का रोजाना सेवन करना चाहिए। यह उनके शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है।

कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मैथीदाना बहुत फायदेमंद होता है। यदि आपके शरीर में कॉलेस्ट्राल की समस्या है तो आप इसका सेवन जरूर करें।

बालों के झड़ने की समस्या से निजात दिलाने में भी मैथी दाना बहुत फायदा करता है। इसका सेवन बालों को खूबसूरत, घना और सॉफ्ट बनाने में मदद करता है। चाहे तो आप इसे अपने बालों पर लगा भी सकते हैं।

अत्यधिक शक्तिशाली जड़ी-बूटी सौंफ

सौंफ लम्बी उम्र, बहादुरी और शक्ति को बढ़ाती है। सबसे अधिक शक्तिशाली जड़ी–बूटी मानी जाने वाली सौंफ में शरीर को स्वस्थ रखने के बहुत से गुण हैं और सौंफ बड़े से लेकर छोटे तक हर उम्र के व्यक्ति द्वारा ली जा सकती है। सौंफ अधिकतर खाना खाने के बाद और यह एक माऊथ फ्रैशर क्के रूप में भी ली जाती है। सौंफ में कई प्रकार के विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई के साथ–साथ बी–कॉम्पलैक्स के विटामिन जैसे थाइमिन, पाइरिडोसिन, राइबो फ्लेविन और नियासिन, फाइबर्ज, मिनरल्ज जैसे पोटाशियम, मैगनीज, मैगनीशियम, कैल्शियम, लौह आदि निश्चित तौर पर सौंफ में मिलते हैं। सौंफ प्राचीन काल से ही अपने गुणों के कारण पहचानी जाती है।

सौंफ से होने वाले लाभ–

पाचन क्रिया के लिए– जिन लोगों को निरंतर पाचन की समस्या रहती है जैसे पेट में गैस कब्ज और खाना हजम न होना आदि, उन्हें अपने खाने की ओर पूरा ध्यान देना पड़ता है और लीवर टॉनिक्स लेने पड़ते हैं। यदि आप प्राकृतिक इलाज चाहते हैं तो सौंफ एक बढ़िया उपाय है तो प्राकृतिक तौर पर गैस को दूर करती है। हाल ही में अध्ययन से पता चला है कि सौंफ खाने से पेट में बाइल जूस की मात्रा बढ़ती है, पेट दर्द कम करती है और जीवाणुओं की गतिविधियों पर रोक लगाती है।

गैस्ट्रिक समस्या के लिए– सौंफ हमारे शरीर में पैदा हुई अधिक गैस को सोख लेती है और पेट में कम दबाव महसूस होता है जिससे गैस बाहर निकल जाती है। यह बच्चों के लिए भी बेहतर होती है और उनमें होने वाले दर्द को कम करती है। बड़ों के लिए सौंफ वाली चाय पीने से आंतड़ियों में आराम मिलता है और सूजन भी कम होती है।

भूख लगने के लिए– सौंफ एक भूख बढ़ाने वाला पदार्थ है। इसमें कई प्रकार के एमिनो एसिड मौजूद होते हैं जो पाचन क्रिया को ठीक रखते हैं और भूख बढ़ाते हैं।

आंखों के लिए– प्राचीन काल में सौंफ को आंखों की दृष्टि के लिए एक जड़ी–बूटी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। इसकी जड़ों से निकले पदार्थ को एक औषधि के रूप में धुंधली आंखों को साफ करने के लिए प्रयोग में लाया जाता था। सौंफ और उनकी जड़ों को पीस कर जो मिश्रण बनाया जाता है उससे आंखों की रोशनी तेज होती है और आंखों में होने वाली खुजली दूर होती है।

बीमारियों से बचाव–

सौंफ के पौधे के केंद्रीय भाग एंटीबैक्टीरियल की तरह इस्तेमाल किया जाता है और यह हमारी रोग प्रतिरोधी क्षमता को बढ़ाने में सहायक होता है। यह फाइबर का बहुत महत्वपूर्ण स्त्रोत है जो कोलेस्ट्रॉल घटाने में सहायक होता है। साथ ही यह अंतड़ियों के कैंसर से बचाता है।

शरीर के तरलों और कोशिकाओं का जरूरी हिस्सा पोटाशियम होता है जिसकी भरपूर मात्रा हृदय गति और रक्तचाप को नियंत्रित करती है।

सौंफ में मौजूद फ्लेवनॉयड और एंटीऑक्सीडैंट शरीर में मौजूद हानिकारक फ्री रैडीकल्ज को शरीर से बाहर निकालते हैं और कैंसर, इंफैक्शन, उम्र में वृद्धि और डिजैनरेटिव न्यूरोलोजिकल बीमारियों से बचाते हैं।

स्मरण शक्ति– अपनी स्मरण शक्ति को बढ़ाने के लिए 100 ग्राम सौंफ लें और धीमी आंच पर सेकें। फिर उसमें 100 ग्राम मिश्री मिलाएं। दोनों चीजों को पीस लें और पाऊडर बनाकर एक शीशी में रख लें। खाना खाने के बाद रोज एक चम्मच लें।

खांसी और जुकाम–सौंफ अपनी कफ निस्सारक प्रवृति के कारण खांसी के दौरे और जुकाम को दूर करती है। इसके पौधे की डंडी को उबाल कर पीने से दमा और श्वास नली में होने वाली सूजन दूर होती है।

सौंफ का इस्तेमाल, खरोंचों, मोटापे, शरीर में पानी बनाए रखने के लिए और विषैले पदार्थों को बाहर रखने के लिए होता है। इसे एंटी–इंफ्लामेटरी के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाता है।

अन्य इस्तेमाल ––सौंफ को अधिकतर मसाले के तौर पर और भोजन में स्वाद के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

– चीनी वाली सौंफ खाना खाने के बाद भोजन पचाने के लिए खाई जाती है।

– यह ब्रैड, केक, बिस्कुट तथा पनीर आदि में स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जाती है।– तेज सुगंध वाली सौंफ अस्तबल और वाड़ी आदि में पिस्सुओं को दूर रखने के लिए इस्तेमाल की जाती है। **साभार योग संदेश**

बहुपयोगी है कढ़ी पत्ता

कढ़ी पत्ता जहां खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए जाना जाता है, वहीं इसके सेहत में भी कई तरह के फायदे होते हैं। कुछ लोग इसके फायदों के बारे में नहीं जानते और यही वजह होती है कि वे खाना खाते समय इन्हें अलग निकालना ठीक समझते हैं। यदि आप भी ऐसी गलती कर रहे हैं, तो एक बार इनके फायदों पर नजर डाल लीजिए और यह गलती आप दोबारा नहीं करेंगे।

कढ़ी पत्ते से होने वाले फायदे, जो आपको रखेंगे तंदुरुस्त–

कढ़ी पत्ता जहां खाने का स्वाद बढ़ाता है, तो वहीं इसके सेहत में फायदे जानकर आप चौंक जाएंगे। कढ़ी पत्ते को 'मीठा नीम' के नाम से भी जाना जाता है। इसके सेवन से आप अपने बालों की खूबसूरती को बढ़ा सकते हैं। कढ़ी पत्ता बालों को खूबसूरत बनाने में काफी मददगार होता है इसलिए इसका सेवन आप नियमित रूप से जरूर करें।

कढ़ी पत्ते में पर्याप्त मात्रा में विटामिन -ए पाया जाता है जिसकी वजह से यह आपकी आंखों की देखभाल के लिए उपयोगी है।

शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद – इसके सेवन से शुगर कंट्रोल में रहता है इसलिए शुगर के मरीजों को इसके सेवन की सलाह दी जाती है।

कब्ज की समस्या से हैं परेशान तो कढ़ी पत्ता आपकी इस समस्या को दूर कर सकता है। इसका सेवन आप नियमित रूप से करें, तो इस समस्या से निजात पा सकते हैं।

कढ़ी पत्ते का उपयोग खाने में छोंक के रूप में करें। दाल छोंकने में कढ़ी पत्ते का उपयोग आम है। साथ ही आप इसे सब्जी के छोंक में भी उपयोग कर सकती हैं। ऐसा करने से आप किसी न किसी तरह से इसका सेवन जरूर कर पाएंगे।

तुलसी, पीपल, आंवला व नीम के लाभ

तुलसी: तुलसी उत्तम प्रदूषणनाशक है। जहां तुलसी का पौधा होता है वहां कई संक्रामक बीमारियों के जीवाणु पैदा ही नही होते। तुलसी का पौधा उच्छ्वास मे स्फूर्तिप्रद ओजोन (03) शुद्ध वायु छोड़ता है। ओजोन वायु वातावरण के कीटाणु, विषाणु, फंगस आदि को नष्ट करके आक्सीजन मे रूपातंरित हो जाती है। जिनके घर मे तुलसी की मिट्टी रहती है, उनके घर के यमदूत नही जा सकते।

पीपल: यह धुंए तथा धूलि के दोषो का वातावरण से सोखकर पर्यावरण की रक्षा करने वाला एक महत्वपूर्ण वृक्ष है। यह चौबीस घंटे ऑक्सीजन उत्सर्जित करता है। इसके नित्य स्पर्श से रोग– प्रतिरोध क्षमता की वृद्धि, मनःशुद्धि, आलस्य मे कमी, ग्रहपीड़ा का शमन,शरीर के आभामंडल की शुद्धि और विचारधारा मे धनात्मक परिवर्तन होता है। बालकों के लिये पीपल का स्पर्श न करें। पीपल के वृक्ष को प्रणाम करने से आयु और सम्पदा बढ़ती है। इसके रोपण से अक्षय पुण्य होता है। यह दमानाशक, हृदयपोशक, रोगनाशक तथा आह्लाद व मानसिक प्रसन्नता का खजाना है।

ऑवला: इसके स्मरणमात्र से गोदान का फल प्राप्त होता है। इसके दर्शन से दुगुना और फल खाने से तिगुना पुण्य होता है। ऑवले के वृक्ष का पूजन कामापूर्ति मे सहायक है। कार्तिक मास में ऑवलें के वन मे श्रीहरी की पूजा व ऑवलें की छाया मे भोजन पापनाशक है। ऑवले के वृक्षों से वातावरण में सात्विकता की वृद्धि होती है व शरीर में शक्ति का, धनात्मक उर्जा का संचार होता है।

ऑवलां–रस से नित्य स्नान लक्ष्मीप्राप्ति में सहयक है। जिस घर मे सदा ऑवला रखा रहता है, वहां भूत, प्रेत और राक्षस नही जाते।

नीम: नीम में ऐसी कीटाणुनाशक शक्ति मौजूद है कि यदि नियमित नीम की छाया मे दिन के समय विश्राम किया जाये तो सहसा कोई रोग होने की सम्भावना ही नही रहती।

नीम के अंग –प्रत्यंग (पत्तियॉ, फूल, फल, छाल, लकड़ी) उपयोगी और औषधि युक्त होते है। इसकी कोंमलों और पकी हुई पत्तियों में प्रोटीन, कैल्शियम, लौह और विटामिन 'ए' पर्याप्त मात्रा मे पाये जाते है।

तुलसी, पीपल ऑवलें के पौधो को घर मे गमले मे लगाकर भी इनका लाभ ले सकते है। पीपल व ऑवले के पौधे जब बड़े हो जाये तो उन्हे उचित स्थान मे लगा देना चाहिये।

कविता संग्रह

पर्यावरण प्रदूषण

❖ जीवन धीमान

वृक्ष काट काटकर हम ने,
माँ धरती को विरान कर डाला द्य
बनते अपने में होशियार,
अपने ही घर में डाका डाला द्य
बहुत लुभाता है गर्मी में,
अगर कहीं हो पीपल या बड़ का पेड़।
निकट बुलाता पास बिठाता
ठंडी हवा का झोंका
पूरे शरीर में शांति लाता ।
तापमान धरती का बढ़ता

आओ पेड़ लगाएं जिससे
धरती पर फैले हरियाली।
तापमान कम करने को है
एक यही ताले की ताली

ठंडा होगा जब घर–आंगन
तभी बचेंगे मोर–बटेर
तापमान जो बहुत बढ़ा तो
जीना हो जाएगा भारी
धरती होगी जगह न अच्छी
पग–पग पर होगी बीमारी
रखें संभाले इस धरती को
अभी समय है अभी न देर।

मिसकॉल

❖ दीपक कुल्लुवी

महंगो हो गयो काल रेट आज से
ईब फोन न कर पाऊंगो
तुम भी बुरा ना बनाना प्रिय
मिसकल से काम चलाऊंगो
खूब ले लिए मजे रै भाई
फरी और वीडियो कलिंग के
ईब तो दिवाली वैसाखी ने ही
अपनो थोबड़ो दिखाऊँगो
थम भी बदल लयो आदत अपणी
वरना पछताओगा
लंबी कल के चक्कर में
कंगाल हो जाओगा।

सदस्य बाल क्लब

अवलीन

नाम:–अवलीन कौर

माता/ पिता:–जसवंत कौर/ हरजिन्द्र सिंह

दादा/दादी :–हरजीत सिंह/ महेन्द्र कौर

नाना/नानी:–जगीर सिंह/ जोगेंद्र कौर

मामा/मामी:– महेंद्र सिंह/ हरजिंदर कौर

बुआ/फूफा: कुलजीत कौर जसवीर सिंह

भाई:–गुरेन्दर सिंह

मित्र: कक्षा के सभी बच्चे

स्कूल:–आंगनवाडी

सबसे ज्यादा प्यार करते हैं– पापा

बड़े होकर बनेंगे: इंजीनियर

पसंद है: पढ़ना खेलना

पसंदीदा गीत: टिवंकल टिवंकल.....।

पता: पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हि.प्र.).

हिमाचल निर्माता -राष्ट्र गौरव डॉ. यशवन्त सिंह परमार

वह कहते हैं

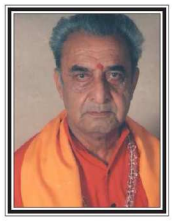

❖ आचार्य चन्द्रमणि वशिष्ठ
“पहाड़ी मृणाल”

*‘**हिमवन्ती**’ के पाठक पिछले कुछ वर्षों से हिमाचल के प्रसिद्ध साहित्यकार ब्रह्मलीन आचार्य चन्द्रमणि वशिष्ठ के आलेख, कविता, कहानी परक सत्साहित्य का रसास्वादन करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।*

आचार्य वशिष्ठ जहाँ लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार रहे हैं, वहीं अपनी आराधना, साधना व तपोनिष्ठ जीवन के कारण अध्यात्म जगत् में गुरु पद प्रतिष्ठित भी रहे हैं। अपने इस साधनाकाल में उन्होंने कई ऐसे चमत्कार अथवा कृपाएँ देखी हैं जिन पर सहज विश्वास कर पाना सरल नहीं।

वशिष्ठ जी ने हिमाचल निर्माता –राष्ट्र गौरव डॉ. यशवन्त सिंह परमार” पुस्तक भी स्वयं लिखी है जिसे वशिष्ठ जी ने बड़ी खूबसूरती से प्रस्तुत किया है वह अति उत्तम है। अपने इस धारावाहिक में हम वशिष्ठ जी की इसी विशेष पुस्तक से पाठकों को परिचित करवा रहे हैं–

–सम्पादक

कुदरत किसी को गूँगा बना दे तो यह तो अलग बात है, उस व्यक्ति के प्रति हमदर्दी होना स्वाभाविक है, परन्तु बोलना और गुनगुनाना तो सबको आता है। हाँ, यह बात जरूर और है, महत्वपूर्ण भी है कि किसका बोलना प्रभावित करता है, किसकी गुनगुनाहट एक अच्छे गीत या गाने में कदल जाती है। एक कहावत है ‘हर बोलने वाले को बोलना नहीं आता।’ यह सच है। बोलने का सलीका, बोलने का आकर्षण बढ़ा देता है और फिर ‘बोलने’ को जब भाषण के रूप में ढाल दिया जाए तब तो मामला ही और हो जाता है।

मैं बहुत सारे ऐसे लोगों को जानता हूँ, मैंने उन्हें सुना है जो बहुत ही अच्छा बोलते हैं। हमारे प्रदेश में भी चार–छः ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें श्रेष्ठ भाषणकर्ताओं में कहा जा सकता है, हैं भी श्रेष्ठ। परन्तु मैं अपने जीवन में दो व्यक्तियों से बहुत प्रभावित हुआ हूँ। आप भी किसी से हुए होंगे।

मैं पंडित जवाहर लाल नेहरू तथा डॉ. वाई.एस. परमार दोनों से प्रभावित हुआ हूँ। पंडित नेहरू हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री थे। आधुनिक भारत के निर्माता थे। डॉ. परमार हमारे प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री थे।, हिमाचल के निर्माता थे। दोनों ही बड़े आदमी थे। पंडित नेहरू जब हिन्दी में बोलते थे तो वह क्रिया को जिस ढंग से वाक्य रचना में प्रयोग करते थे, वह बहुत अच्छा लगता था, उसमें एक नयापन उभरकर सामने आता था, कही गई बात का प्रभाव और ज्यादा बढ़ जाता था। उनकी वह शैली बहुत ही सुन्दर तथा मनमोहक होती थी। ‘भक्ति में बड़ी शक्ति है।’ यह यूँ ना कहकर जब पंडित जी इस तरह कहते थे कि ‘बड़ी शक्ति है, भक्ति में’ तो आप देखिए, समझिए, वाक्य की रचना की कैसी रंगत हो गई, कितना प्रभाव बढ़ गया। डॉ. यशवन्त सिंह परमार भी अपनी अनोखी, सुन्दर तथा प्रभावशाली शैली में भाषण देते थे। उन्हें बहुत बढ़िया अंग्रेजी आती थी, वह उर्दू के माहिर थे, वे पहाड़ी खूब जानते थे, उन्हें सिरमौर में सैन–धारटी–धार में बोली जानी वाली पहाड़ी बोली खासकर तथा उनके रेणुका निर्वाचन क्षेत्र की पहाड़ी बोली बहुत अच्छी आती थी। बाद–बाद में वह कांगड़ा आदि में बोली जाने वाली बोली को भी खूब अच्छी तरह बोलने लगे थे। हिन्दी का उन्हें काफी ज्ञान था। अपनी प्यारी–प्यारी शैली में जब वह घंटों अपने पहाड़ी भाईयों को सम्बोधित करते थे तो वह मंत्रमुग्ध होकर उनकी बड़ी–बड़ी आँखों तथा गुलाबी रंगत के आकर्षक चेहरे को निहारते रहते थे, उन्हें सुनते रहते थे और आनन्द लेते रहते थे।

बरसों–बरसों वह लोगों से मुखातिब होते रहे, बरसों– बरसों लोग उन्हें बड़े चाव से सुनते रहे। अब जितना उन्होंने कहा वह सब तो लिखा जाना मुश्किल है। उनके अनमोल वचनों को लिखें तो ग्रंथ तैयार हो जाए। लेकिन मैं उनकी कही कुछ बातें, बहुत याद करके लिखने का प्रयास कर रहा हूँ। विभिन्न मुद्दों, विभिन्न विषयों तथा विभिन्न प्रसंगों के बारे उन द्वारा कही गई बातें आज भी अर्थपूर्ण हैं, प्रासंगिक हैं। इनसे उनके इरादों, किरदार और अज़्मत का भी पता चलता है। डॉ. परमार ने कहा था–

हिमाचल प्रदेश – हिमाचल प्रदेश वजूद में आ गया, हमें खुशी है। आज का दिन हमारे लिए बहुत नेक है, शुभ है। हम पहाड़ी इधर–उधर भटकने से बच गए मगर अभी हमारी मंजिल दूर है। हमें बढ़ना है, बराबर बढ़ना है, और हम बढ़ेंगे। एक दिन यहाँ आपकी चुनी हुई सरकार काम करेगी, बराबर करेगी, मैं आपको बधाई देना चाहता हूँ।

पर्यटन– पहाड़ों पर बर्फ तो हम हीं गिरा सकते, पहाड़ तो हमने ही बनाए। पहाड़ों से झरने भी हम बहा नहीं सकते। ठंडी–ठंडी हवाएं चलती हैं, उनको चलाना भी हमारे बस की बात नहीं है। यह सब तो हमको कुदरत ने दिया है। हमारा हिमाचल प्रदेश बेहद खूबसूरत है। सैंकड़ों खूबसूरत मुकामात यहाँ हैं। यह मिली हमें कुदरत की सौगात। हम तो कुदरत के शुक्रगुज़ार हैं। यहाँ.......... ..बैठे हैं। (वह एक बड़े अधिकारी का नाम लेते हैं) इनका इसमें अभी कोई अहम

रोल हीं है। टूरिस्ट आते हैं तो उन्हें पहाड़ खींच लाते हैं, बर्फानी चोटियाँ, खींच लाती हैं। आबो हवा खींच लाती है। पर्यटक आयेंगे लेकिन उन मुकामात तक पहुँचने के लिए सड़कें चाहिए, सुविधाएँ चाहिए और एक बात और उनके प्रति हमारा बेहतरीन सलूक भी बराबर चाहिए। मैं, यह और आप सब प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बहुत मेहनत से काम करेंगे। करना ही है। नौजवान पर्यटन से रोजगार तथा आमदनी के रास्ते निकाल सकेंगे।

सड़कें– सड़कें हमारे भाग्य की रेखाएँ हैं। हम सड़कों का जाल बिछाने में जुट जायेंगे। हर बात के लिए पैसा चाहिए, तो विकास होगा, आय के साधन तलाशने होंगे। सड़कें होंगी तो घूमेंगे, फिरेंगे, सैर करेंगे। वह भी होगा, मगर खेतों में पैदावार बढ़ाकर मंडियों तक लाने में सड़कों का इस्तेमाल करना फायदेमंद रहेगा। सड़कों के जरिए विकास दरवाजे पर पहुँच जाता है, आप इस काम में भी बराबर सहयोग दें।

शिक्षा– शिक्षा बहुत जरूरी है। हम ज्यादा से ज्यादा स्कूल खोलना चाहेंगे। छोटे स्कूल, बड़े स्कूल, उससे भी ऊँची शिक्षा, तकनीकी शिक्षा देने वाले स्कूल बगैरा–बगैरा। मगर तालीम, शिक्षा सिर्फ नौकरी के लिए नहीं। सब को नौकरी कहीं मिलेगी। इतनी नौकरियाँ हैं ही नहीं। अपने पांव पर खड़े होने के लिए उद्योग या अन्य धंधे अपनाने पड़ेंगे। पढ़ें, खूब पढ़े, मगर नौकरी पाने, सिर्फ नौकरी पाने के लिए नहीं। हाँ तकनीकी शिक्षा से बड़ी नौकरी भी मिलती है। मगर यह देखना पड़ेगा कि शिक्षा अगर सिर्फ बेकार रखती है, आदमी को विनम्र भी नहीं बनाती है तो सोचना पड़ेगा, बराबर सोचना पड़ेगा कि आखिर ऐसी शिक्षा जारी भी रखनी जानी जरूरी है या नहीं।

भारत “यत्र नारी पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता”

- युद्धवीर टंडन

भारत "**यत्र नारी पूज्यन्ते तत्र रमन्ते देवता**" की संस्कृति को मानने वाली धरती है। यहाँ पर नारी को अनादि काल से अनेकों रूपों में पूजा जाता रहा है। नारी के माहत्म्य इसी बात से सिद्ध होता है की भारत में देश को भूमि का एक बेजान टुकड़ा नहीं बल्कि एक माँ का दर्जा दिया गया है। देश का बच्चा बच्चा आज भी हर दिन अपनी सुबह की शुरुआत अपने विद्यालय में भारत माता की जय के साथ करता है।

लेकिन इसके साथ एक विडम्बना यह भी है कि आज भारत में नारी की स्थिति बेहद चिंताजनक स्थिति में जा पहुंची है। नारी को आज एक देवी से पहले इन्सान के रूप में और वो भी बराबर के इन्सान के रूप में स्वीकार करना ज्यादा जरूरी नजर आ रहा है। नारी पर आज हर प्रकार की हिंसा हमें कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में देखने को मिल ही जाती है। इस बात को हम चाहे अपने आस पास के प्रत्यक्ष अनुभवों की रोशनी में देखे या फिर इसे हमें मौजूदा सरकारी आंकड़ों के तराजू में तौल कर देखें।

नेशनल क्राइम रिकोर्ड ब्यूरो के अनुसार 2007 से 2016 के मध्य महिलाओं के खिलाफ अपराधिक मामले 83: बढ़े है। शील भंग के मामले 119: बढ़े हैं। अगर बात करें पारिवारिक हिंसा की तो इसके मामले भी 45: बढ़ गए हैं। अब इन आंकड़ों से बड़ी ही सरलता से हम महिलाओं की स्थिति का जायजा लगा सकते हैं। समय रहते इन पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है अगर ऐसा नहीं हुआ तो स्थिति बद से बदत्तर होती चली जाएगीद्य तब इसे किसी के लिए भी सम्भालना या इसमें सुधार लाना आसान नहीं होगा। अगर आग लगने पर ही कुआँ खोदने की सोच होगी तो आग में झुलसने के सिवा कोई चारा शेष नहीं रह जाएगा।

मानव तस्करी की सबसे ज्यादा शिकार 71: के करीब यह भी महिलाएं ही हैं यहाँ तक की सड़क हादसों व मलेरिया के कारण हर साल विश्व भर में जितनी मौतों की संख्या उतनी ही महिलाएं हर साल किसी न किसी तरह की हिंसा का शिकार होती हैं। यह सभी तथ्य नारी की लाचारी वाली स्थिति की ओर एक ईशारा तो हैंही और समाज के एक घिनौने चहरे को उजागर करती, उसके चहरे के नकाब को उठाती एक सच्चाई भी है। जिससे कोई चाह कर भी इंकार नहीं कर सक्ताद्य हाँ अगर कोदूध पीती बिल्ली की तरह स्वयं ही अपनी आँखें बंद करके यह सोचता रहे की कोई उसे देख नहीं रहा है तो यह उसकी अपनी समझ।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2009 में हर महीने की 25 तारीख को ‘ओरेंज डे’ और 25 नवम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में मनाए जाने की बात कही। अगर इसे मनाए जाने के पीछे के इतिहास पर हम दृष्टि डालें तो पता चलता है कि इसकेपीछे भी नारी पर हुआ अत्याचार ही है जिसकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है। 25 नवम्बर 1960 को डेमेनिकन शासन के राजनैतिक कार्यकर्ता राफेल ट्रूजिलो के आदेश पर 3 बहनों की बेहद क्रूर तरीके से इसलिए हत्या कर दी चूँकि उन्होंने उसके अत्याचारों का विरोध किया था। 1981 के बाद महिला अधिकारों के कुछ समर्थक इस दिन को एक श्रद्धाँजली के रूप में तब तक मनाते रहे जब तक 17 नवम्बर 1999 को सयुक्त राष्ट्र संघ ने 25 नवम्बर का दिन अन्तर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा नहीं की।

परन्तु सवाल यह है कि क्या एक दिन किसी प्रयोजन विशेष पर दिवस मना लेने मात्र से ही समस्या का हल हो जायेगा या नहींद्य इस दिवस का महत्त्व केवल प्रतीकात्मक है लेकिन अगर हम इस दिन शपथ लें नारी सम्मान की व उसे अपने बराबर अधिकार की तो कहीं जाकर यह दिवस को मनाने का औचित्य है। इसके अतिरिक्त नारी की इस स्थिति को समझने के लिए कुछ और तथ्यों व पहलुओं को हमारे लिए समझना व जानना जरूरी है।

भारत की साक्षरता दर जो कि 74: है में केवल 65. 46: ही महिलाएँ साक्षर है यह पुरुषों के मुकाबले में बहुत कम है। यह तथ्य इस बात की ओर एक इशारा हैकि हाथ कंगन को आरसी क्या पढ़े लिखे को फारसी क्या। जी हैं जब महिलाओं में साक्षरता ही इतनी कम है तो शिक्षा का स्तर कितना ऊँचा होगा देश की महिलाओं का इस बात का अंदाजा लगाना अधिक मुश्किल बिलकुल भी नहीं। यानि महिलाओं की अज्ञानता भी उनके शोषण का एक प्रमुख कारण है।

भारत की कुल जनसंख्या में 48: महिलाएँ हैं और इसके आधार पर अगर देखें तो देश की सर्वोच्च नीति/कानून निर्माता संस्था यानि देश की संसद में महिलाओं का प्रतिशत मात्र 14. 36: है जो की शर्मनाक है। जब ऐसी संस्था में जहाँ पर कानूनों का निर्माण होना है वहीं पर महिलाएं अल्पमत में हैं तो फिर उनके लिए नीतियों के निर्माण की कल्पना किस हद तक सही है यह एक चिंतनीय विषय है।

भारतीय महिलाओं की आर्थिकी भी उनकी इस स्थिति में काफी हद तक जिम्मेदार है। भारत में 23.3: महिलाएं ही काम करती हैं। बाकी सारी किसी न किसी पर आश्रित हैं। यहाँ यह कहना अनुचित न होगा की जिसकी लाठी उसकी भैंस के लोक व्यवहार के सिद्धांत के तहत हमारे देश की महिलाएं आश्रितों का जीवन यापन करने को मजबूर हैं। महिलाओं के स्तर में सुधार की बात तब तक दिवास्वप्न ही जब तक की उन्हें आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने को लेकर कोई विशेष अभियान नहीं चलता।

भारत का समाज एक पुरुष प्रधान समाज है यह एक सच्चाई है जिसे झुठलाना नामुनकिन हैद्य इस तरह के समाज में भी अक्सर महिलाओं के हितों की रक्षा नहीं हो पाती है। वे अपने अधिकारों से वंचित ही रहती हैं। रूढ़िवादी पुरुष समाज कभी उसे अपने से आगे बढने देना नहीं चाहता है। तो यहाँ जनमानस की सोच को बदलना भी एक चुनौती बन जाती है। जिससे पार पाना बहुत जरुरी है।

इस प्रकार अंत में निष्कर्ष के तौर पर यह कहा जा सकता है कि जाके पैर न फटी बिवाई सो क्या जाने पीर परायी। यानि जिसकी पीड़ा है दवा और समाधान भी उसे ही ढूँढना होगा। महिलाओं को अपने हकूक व हितों की रक्षा के लिए स्वयं ही कदम बढ़ाने होंगे। अपने लिए स्वयं ही अवसर पैदा करते हुए स्वयं को साबित करना होगा। इस कार्य में अगर जरा भी गैरत पुरुषों में होगी तो वे महिलाओं का साथ अवश्य देंगे।

SALE SALE

पांवटा हैंडलूम हाउस

करो योग रहो निरोग

मात्र 150 में आधुनिक डिजाइनों वाला पर्दा प्राप्त करें।

58 Main Road, Near O.B.C. Bank, Main Bazar
Paonta Sahib Distt. Sirmour (HP).
Mob:- 9805475588, 9412348300

एक बार सेवा का मौका अवश्य दें

❖ पर्दे
❖सोफा क्लाथ
❖ सोफा कवर
❖ पर्दे पाईप
❖कारपेट
❖रैक्सीन
❖पी.यू. फोम
❖टेबल क्लाथ
❖सोफा मटीरियल
❖डायनिंग एवंसेंटर
❖सोफा कुशल
❖गद्दे
❖बैड शीट
❖पायदान
❖फ्लोरिंग
❖तकिए

हिमवन्ती की बात

उच्चतम न्यायालय की पहल स्वागत योग्य

चुनावों को निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग को जो निर्देश दिये हैं वह स्वागत योग्य हैं। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग को निर्देश दिये हैं कि वह आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए आदेश पारित करें ताकि तीन महीने के अन्दर–अन्दर राजनीतिक दलों को आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को टिकट देने से रोका जा सके। यह निर्देश हाल ही में 25 नवम्बर को उच्चतम न्यायालय द्वारा चुनाव आयोग को निर्देशित किया गया है। उच्चतम न्यायालय की इस पहल का स्वागत किया जाना आवश्यक है। अब जब चुनाव आयोग उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देशों अनुसार 3 महीने में इस मुद्दे को लेकर आदेश पारित कर देगा तो चुनाव में सुधारों के लिए एक नया रास्ता खुलेगा। पिछले वर्ष 25 सितम्बर को भी उच्चतम न्यायालय ने चुनावों में सुधार हेतु एक फैसला दिया था जिसमें 6 बिन्दु थे। पहले बिंदु में संसद को यह सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाने का सुझाव दिया गया था कि आपराधिक मामलों का सामने करने वालों को राजनीति में प्रवेश करने से रोका जाये। दूसरे बिन्दु में यह निर्देशित किया गया था कि चुनाव लड़ने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को अपना आपराधिक रिकॉर्ड निर्वाचित आयोग को देना होगा। तीसरे बिन्दु में निर्देशित किया गया था कि सभी राजनैतिक दलों को दागी उम्मीदवारों की सूची अपनी वैवसाईट पर प्रकाशित करनी होगी। चौथे बिन्दु में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को निर्वाचन आयोग को एक फार्म भरने का आदेश भी दिया गया था जिसमें उनका आपराधिक रिकॉर्ड और बड़े–बड़े अक्षरों में दर्ज किया जाना होगा। पांचवे बिन्दु में उच्चतम न्यायालय ने निर्देशित किया था कि उम्मीदवार अपने आपराधिक रिकॉर्ड के बारे में राजनीतिक दलों को भी पूरी सूचना उपलब्ध करायेगा। छठे बिन्दु में निर्देशित किया गया था कि सभी राजनैतिक दलों से जुड़े रिकॉर्ड का प्रिंट और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से विस्तृत प्रचार किया जाना चाहिए और यह प्रचार उम्मीदवार के फार्म भरने के बाद कम से कम तीन बार किये जाने का भी आदेश दिया गया था।

साथ ही उच्चतम न्यायालय ने इस टिप्पणियों के साथ–साथ अपने आदेश में चिंता जताते हुए यह भी कहा था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का आपराधिकरण चिंतित करने वाला है। उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर भी चिंता जताई थी कि भारतीय लोकतंत्र की जीत को भ्रष्टाचार और राजनीति के आपराधिकरण के चलते खोखली हो रही है। उन्होंने संसद को भी आघा किया था कि भ्रष्टाचार की इस महामारी से निपटने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

चुनावों को अपराधियों से मुक्त कराने के लिए अनेकों कदम उठाए गए हैं। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। संसद में 33 प्रतिशत सांसदों पर गंभीर अपराध दर्ज है जिससे पहली नज़र में चिंतित होना स्वाभाविक भी है। चुनाव आयोग ने लगभग 15 वर्ष पहले सरकार को यह सुझाव भी दिया था कि 3 वर्ष या उससे ज्यादा सजा वाले मामले में यदि आरोप पत्र दाखिल हो जाएगा तो ऐसे व्यक्ति को चुनाव लड़ने से वंचित किया जाना चाहिए लेकिन किसी भी सरकार ने चुनाव आयोग के इस सुझाव को स्वीकार नहीं किया। अब उच्चतम न्यायालय का जो डंडा चल पड़ा है उससे राजनीति में भ्रष्टाचार कम हो पाएगा ऐसी उम्मीद अवश्य जगी है।

– अरविन्द गोयल

IN THE COURT OF L.R.Verma HAS, MARRIAGE OFFICE-CUM-SUB DIVISIONAL MAGISTRATE , PAONTS SAHIB, DISTRICT SIRMOUR, HIMACHAL PRADESH 173025.

NOTICE UNDER SECTION 16 OF SPECIAL MARRIAGE ACT 1954

In the matter of

1 Sh. Piyush Punato S/O Sh. Layak Ram Punato R/o H.No. 131/4, W.No. 5 Near Anaj Mandi Shamsherpur,. Teh Paonta Sahib. Distt. Sirmour(HP)

2 Smt. Upma Punato, D/O Sh. Sahib Singha R/ O Village & P.O Amarnaal (Halyana). Teh.Kumarsain Distt. Solan (HP).

VS

General Public

(Application for the registration of marriage under section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act 01,49of 2001)

Sh. Piyush Punato S/O Sh. Layak Ram Punato R/o H.No. 131/4, W.No. 5 Near Anaj Mandi Shamsherpur,. Teh Paonta Sahib. Distt. Sirmour(HP) and Smt. Upma Punato, D/O Sh. Sahib Singha R/O Village & P.O Amarnaal (Halyana). Teh.Kumarsain Distt. Solan (HP). have filed an application along with affidavits in this court under section 15 of Special Marriage Act, 1954 on dated 20-09-2019 stating therein that they have solemnized their marriage on 11-10-2018 and they have been living together as husband and wife ever since then. Hence notices are given to all concerned and General Public to this effect that if anybody have any objection regarding the registration of marriage duly solemnized on 11-10-2018 between **Sh. Piyush Punato S/O Sh. Layak Ram Punato R/o H.No. 131/4, W.No. 5 Near Anaj Mandi Shamsherpur,. Teh Paonta Sahib. Distt. Sirmour(HP)** and **Smt. Upma Punato, D/O Sh. Sahib Singha R/O Village & P.O Amarnaal (Halyana). Teh.Kumarsain Distt. Solan (HP)** He/ She should file written objections and appear personally or through an authorized agent before this court within 30 days from the date of issue of this notice. After expiry of the said period, the marriage certificate would be issued to the applicants by this court.

Issued under my hand and office seal of this court 30/09/2019.

(L.R. Verma, HAS)
Marriage Officer-Cum-SDM,
Paonta Sahib, Distt. Sirmour
(Himachal Pradesh)

वनस्पति चर्चा

बन्दगोभी के औषधीय उपयोग

पं.गौरी प्रसाद
पूर्व मंत्री

सर्दियों में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होने वाली बन्दगोभी, जिसे पत्तागोभी भी कहा जाता है, अनेक रोग–नाशक तथा कई गुणों से परिपूर्ण है। सामान्य सी सब्जी समझी जाने वाली पत्तागोभी के हर पत्ते में बेशुमार गुण भरे होते हैं। इसके सेवन से शरीर में प्रतिरोधी शक्तियों का विकास होता है तथा बुढ़ापा भी दूर भागता है। वजन घटाने के इच्छुक लोगों के लिए तो यह वरदान साबित हुई है। दिन में एक बार पत्तागोभी का सलाद खाइए और स्लिम बने रहिए। हाल ही में इसमें एक नये अवयव टारट्रोनिक अम्ल की खोज की गई, जिसने सौन्दर्य के प्रति जागरूक रहने वाले लोगों में तहलका मचा दिया है।

पत्तागोभी का लेटिन नाम ब्रेटिका ओलेे रेसियावार केपिटेटा है, जिसे अंग्रेजी भाषा में 'कैबेज' कहते हैं। यह लेटिन भाषा के शब्द 'केपुट' से बना है, जिसका अर्थ है–'प्रमुख'। फ्रांस, वेल्स तथा दक्षिण इंग्लैंड इसका मूल स्थान है।

पत्तागोभी को यदि गुण धर्म की दृष्टि से देखें तो यह स्वाद में मधुर, तीक्ष्ण, ग्राही, शीतल, पाचक, अग्निदीपक, हल्दी, हृदय को बल प्रदान करने वाली और साथ ही थोड़ी–सी वातकारक भी है। यह कफ, पित्त, कुष्ठ, खांसी और रक्त विकार में उपयोगी है।

वैज्ञानिकों ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि पत्तागोभी में कैलोरी की न्यूनतम मात्रा यानी 100 ग्राम में 30 किलो कैलोरी पाई जाती है जबकि 100 ग्राम गेंहू से बनी रोटी में 240 किलो कैलोरी मिलती है।

पत्तागोभी में कई फलों, सेब, नाशपती या केले से भी अधिक मात्रा में विटामीन–सी पाया जाता है। 200 ग्राम कच्ची पत्तागोभी से प्राप्त विटामीन 'सी' एक वयस्क की एक दिन की आवश्यकता के लिए पर्याप्त होता है। वैज्ञानिकों तथा आहार विशेषज्ञों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि पत्तागोभी रेशेदार तत्वों और विटामिनों, खासतौर पर विटामिन–सी से भरपूर है। इसमें विद्यमान कुछ सूक्ष्म तत्व मानव शरीर में उपापचय की प्रक्रिया का नियमन करते हैं। ये अवयव बच्चों के शारीरिक विकास व वृद्धि में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। बन्दगोभी में कुछ संघटक तत्व संवहन तंत्र में थक्के नहीं बनने देते। साथ ही विटाशय में पथरी बनने से रोकते हैं।

बन्दगोभी के औषधीय उपयोग इस प्रकार हैं:–

1. हाल ही में यह सिद्ध हुआ है कि कैंसर रोग में बन्दगोभी के पत्तों का रस यदि प्रतिदिन सुबह निराहार दिया जाए तो काफी लाभ होता है। दरअसल पत्तागोभी में एक ऐसा रसायन पाया जाता है, जो स्तन कैंसर उत्पन्न करने वाले इस्ट्रोजन हार्मोन की मात्रा को घटाता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में भी पत्तागोभी से रोगों के इलाज की परम्परा काफी पुरानी है। आज भी वैद्य बन्दगोभी के पत्तों को चबाने की राय देते हैं। इसलिए कैंसर में इसे लाभदायक और उपयोगी बताया गया है।

2. चिकित्सा विशेषज्ञों ने ताज़ा पत्तागोभी में एक अल्सर प्रतिरोधी कारक की खोज की है, जिसे विटामीन 'यू' कहा जाता है। यह अक्षर 'यू' लेटिन भाषा के शब्द 'यूलस– से लिया गया है जिसका अर्थ होता है–'अल्सर'। ताज़ी पत्तागोभी का रस पेट व ग्रहणी के अल्सर के उपचार में बहुत सहायक होता है।

3. पत्तागोभी में उपस्थित सेल्यूलोस मानव स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से हितकारी है। इसका पहला गुण यह है कि यह कोलेस्ट्रॉल हटाता है। इस प्रकार यह धमनी काठिन्य होने से बचाता है। दूसरा यह, कार्बोहाइड्रेटों का उपापचयन नहीं होने देता। इस प्रकार पत्तागोभी मधुमेह से पीड़ित लोगों के भोजन का एक अनिवार्य हिस्सा माना गया है।

4. मूत्र रोग में पत्ता गोभी का प्रयोग काफी लाभदायक होता है। इसका 50 ग्राम रस सुबह–शाम पीने से लाभ मिलता है।

5. पत्तागोभी के पत्ते एनीमिया से पीड़ित लोगों के लिए विशेष रूप से गुणकारी हैं, क्योंकि इसमें विटामिनों की प्रचुर मात्रा पाई जाती है।

श्यामलाल पुंडीर बने रोगी कल्याण समिति के सदस्य

पांवटा (ब्यूरो). दून प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्यामलाल पुंडीर को रोगी कल्याण समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह पद डॉ. ब्रजेन्द्र के निधन के कारण रिक्त पड़ा था। सीएमओ डॉ. संजीव सहगल ने बताया कि इस पद को भरा जाना था जिसके लिए स्थानीय विधायक व प्रशासन से मांग की थी कि यह पद दून प्रेस क्लब के अध्यक्ष को दिया जाये। श्यामलाल पुंडीर के मनोनयन से पत्रकारों में उत्साह है और श्यामलाल को बधाई देने का तांता लगा हुआ है।

राजनीति और युवा-वर्ग

❖ डा. कंचन शर्मा

हर देश की तरक्की में वहाँ के युवाओं का बहुत बड़ा हाथ होता है, यूँ कहें तो युवावर्ग देश के भाग्य विधाता होते हैं। हर क्षेत्र की भाँति राजनीति में भी युवाओं के सक्रिय भागीदारी की अत्यंत आवश्यकता है। जहाँ तक दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का सवाल है तो यहाँ के युवाओं की राजनैतिक भागीदारी काफी कम रही है। भारत में युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि राजनीति में युवाओं की भागीदारी को ले कर बड़ी बड़ी बातें अकसर हर किसी मंच से होती रहती हैं लेकिन कोई दल उन्हें प्रतिनिधित्व का मौका नहीं देता क्योंकि उन की नजर में युवा मात्र वोट भर हैं। हर पार्टी युवाओं को लुभाने का प्रयास तो करती हैं लेकिन जब टिकट देने की बात की जाती है तो तरजीह अधिकतर मामलों में उम्रदराज नेताओं को ही दी जाती हैं यानि युवाओं से उम्रदराज नेताओं को फिर से चुनने का आह्वान किया जाता है। भारत की राजनीति में आज वृद्ध लोगों का ही बोलबाला है और चंद गिने–चुने युवा ही राजनीति में है। इसका एक कारण यह है कि भारत में राजनीति का माहौल दिन– ब –दिन बिगड़ रहा है और सच्चे राजनीतिक लोगों की जगह सत्तालोलुप और धन के लालची लोगों ने ले ली है। वास्तविकता तो यही है कि हमारे देश की संसद आजादी के बाद से साल दर साल बूढ़ी होती चली जा रही है। यदि एक नजर देखें तो जहाँ आजादी के बाद 1952 में संसद में 26 प्रतिशत 40 वर्ष से कम उम्र के सांसद थे, तो वहीं 2019 की संसद में 40 वर्ष से कम उम्र के सांसदों की संख्या मात्र 12 प्रतिशत है। यहाँ बताना प्रासंगिक होगा कि जैसे–जैसे संसद की उम्र बढ़ रही है, अपने सांसदों की भी उम्र बढ़ रही है। पहली लोकसभा में 26 फीसदी सांसदों की उम्र 40 साल से कम थी।

निःसंदेह राजनीति की तरह जीवन के हर क्षेत्र में अनुभव की महत्ता होती है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि राजनीति से रिटायर होने के बारे में सोचा ही न जाए। अगर 80 –90 साल के नेता चुनाव मैदान में उतरते रहेंगे तो फिर युवाओं को मौका कब मिलेगा? यदि भारतीय राजनीति में सक्रिय 50 –55 साल की आयु के नेताओं को भी युवा नेता कह दिया जाता है तो इसका यह मतलब नहीं कि 80–90 साल की आयु वाले नेता चुनावी राजनीति से रिटायर होने का नाम न लें। इसके अतिरिक्त हर बार यह भी देखा जाता है कि ज्यों–ज्यों चुनावी सरगर्मी बढ़ती है,त्यों–त्यों तमाम राजनीतिक दलों में आपसी होड़ बढ़ती जाती है। ये होड़ है वास्तविकता से दूर झूठे वादे करने कीद्य सत्ता हासिल करने के बाद जनता की भावनाएं नेताओं के लिए कोई महत्व नहीं रखती है। इसके कारण समाज भी पिछड़ता जा रहा है। पहले के नेता समाज में मूल्यों के लिए जीते थे और अब इसके मायने बदल रहे हैं। द्ययुवा वर्ग भी बाद में अपने आप को ठगा हुआ महसूस करता है तथा उसके लिए राजनीति केवल झूठ और भ्रष्टाचार से भरा हुआ स्थान बन कर रह जाता है। आज भारत की राजनीति में चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचन्द्र बोस, शहीद भगतसिंह, लोकमान्य तिलक जैसे युवा नेता नहीं है जो अपने होश और जोश से युवा वर्ग के मन में एक नई क्रांति का संचार कर सके। कुछ गिने–चुने सक्षम नेताओं को छोड़ कर आजादी के बाद भी नसीब में है बूढ़े नेता जो खुद की हिफाजत ठीक से नहीं कर सकते तो युवा वर्ग को क्या देशभक्ति या क्रांति की बातें सिखा कर प्रेरित करेंगे ? वर्तमान भारत में राजनीति में देश प्रेम की भावना की जगह परिवारवाद, जातिवाद और संपदाय ने ले ली है। आए दिन जिस तरह से नेताओं के भ्रष्टाचार के किस्से बाहर आ रहे है देश के युवा वर्ग में राजनीति के प्रति उदासीनता बढ़ती जा रही है। युवा वर्ग अपने भविष्य को राजनीति में सुरक्षित नहीं देख पाता।

भारत युवा आबादी वाला देश है और बीते कुछ दशकों में यहाँ 'युवा'मतदाताओं की संख्या लगातार बढ़ी है। अलग–अलग जाति समूह एवं राजनीतिक दलों में बंटे होने के बावजूद राजनीतिक हस्तक्षेप की अपनी क्षमता के बावजूद उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों में भागीदारी नहीं मिल रही है। आज भी वे केवल अपने–अपने दलों की 'युवा इकाई'की राजनीति तक सीमित हैं। इसी तरह युवकों में मत देने की चाह तो बढ़ी है, लेकिन अभी उनमें राजनीतिक हस्तक्षेप की अपेक्षित शक्ति विकसित नहीं हो पाई है या होने नहीं दी जा रही है। भारतीय परिवारों में भी राजनीति को ले कर एक पूर्वाग्रह है कि इस में वही लोग जाते हैं जो कुछ और नहीं कर सकते और राजनीति में कोई कैरियर या भविष्य नहीं है द्यछात्रों को केवल पढ़ाई और कैरियर से ही मतलब है, राजनीति उनकी प्राथमिकता नहीं है। यदि इसे गहराई से समझें तो लगता ऐसा है कि जानबूझ कर रोजगार के मौके कम किए जा रहे हैं जिस से कम से कम युवा राजनीति में आएँ और उन का पूरा ध्यानअपनी नौकरी पर ही रहेद्य मेरा मानना है कि जब भारत में युवा हर क्षेत्र में सफलता के झंडे गाड़ रहे हैं तो युवाओं को राजनीति में भी और अवसर मिलने चाहिए ताकि उनकी क्षमताओं का उपयोग राजनीतिक परिदृश्य को बदलने में किया जा सके खासकर ऐसे समय में जब राजनीति मे अपराधीकरण और भ्रष्टाचार के आरोप तेज हुए हैं। देश की राजनीति में युवाओं का न के बराबर होना दर्शाता है कि क्रांति और बदलाव का जज्बा रखने वाला युवा इसे ले कर उदासीन है। यह वक्त की माँग हो चली है कि युवाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिलेद्य देश में 60 फीसदी से ज्यादा युवा हैं लेकिन इसके बावजूद कैबिनेट और संसद में वरिष्ठ लोगों की संख्या अधिक हैं। अगर इन दोनों पीढ़ियों के मध्य बातचीत नहीं होगी, तो देश की प्रगति कैसे होगी? युवाओं को देश की राजनीति में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए क्योंकि देश का भविष्य ही उनका भविष्य है। देश की राजनीति को सुधारने के लिए पढ़े–लिखे युवाओं को राजनीति में आना ही होगा। आवश्यकता यह है युवा चुनावी राजनीति में तो सक्रिय बने ही,साथ ही साथ ज्वलंत मुद्दों जैसे महंगाई, भ्रष्टाचार, कामचोरी, किसानों द्वारा आत्महत्या, गरीब और अमीर के बीच बढ़ती खाई, राजनीति में वंशवाद, महंगी शिक्षा और चिकित्सा,घटता भूजल, बढ़ता आतंकवाद पर भी उनकी सक्रियता हो।मेरा मानना है कि उनकी ऊर्जा, योग्यता, संवेदनशीलता और देशप्रेम की आहुति पाकर देश का राजनीतिक परिदृश्य निश्चित ही बदलेगाद्य युवा ही परिवर्तन, निर्माण, रचना, संघर्ष तथा साधना का मार्गप्रशस्त करता है।जब युवा करवट लेता है तभी नए रास्ते खुलते हैं और नव–निर्माण होता है।

...अब मानसून के मोहताज नहीं नगारवीं-बारी के किसान

मंडी जिले के सरकाघाट उपमंडल के नगारवीं–बारी गांव के किसानों को पहले सिंचाई के लिए काफी समस्या पेश आती थी। समय पर अच्छी बारिश न होने से बहुत से किसानों की फसल खराब हो जाती थी। लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं, यहां के किसान अब बारिश के मोहताज नहीं हैं। गांव वालों के जीवट और हिमाचल सरकार की मदद से अब गांव के खेत पानी से तर हैं।

प्रदेश सरकार की सौर सिंचाई योजना के तहत सामुदायिक स्तर पर 100 फीसदी सरकारी सब्सिडी से बनी सिंचाई योजना से नगारवीं–बारी के किसान अब जरूरत के मुताबिक अपने खेतों की सिंचाई कर रहे हैं।

पहले बारिश पर आधारित थी सारी खेती

नगारवीं–बारी कृषक विकास संघ के प्रधान मनोज कुमार बताते हैं कि पहले उनके गांव में सारी खेती बारिश पर आधारित थी। मानसून की लुकाछिपी से सहमे किसान मजबूरी में खेतीबाड़ी छोड़ने लगे थे। ऐसे में कृषि महकमे के अधिकारियों ने सरकार की सौर सिंचाई योजना लगाने को लेकर हौसला दिया और विभाग की अलग अलग योजनाओं को मिलाकर हमारी मदद को आगे आए।

गांव के 40 परिवार लाभान्वित–मनोज कुमार आगे बताते हैं कि सरकार की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत नगारवीं–बारी में बल्ली नाले पर करीब 24 लाख रुपए के खर्चे से चैक डैम बनाया गया। मार्च 2019 में बन कर तैयार हुए इस डैम से पानी उठाने के लिए जुलाई 2019 में सौर सिंचाई योजना के अंतर्गत 8.67 लाख रुपए से 10 हॉर्स पावर का सोलर सिस्टम लगाया गया।

पानी के भंडारण व वितरण के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 1.10 लाख रुपए खर्च कर गांव में 22 हजार लीटर क्षमता का सीमेंटड टैंक बनाया गया। इस टैंक से गांव भर में पानी वितरण के लिए 16 वितरण चैंबर बनाए गए, इनसे किसान जरूरत अनुसार किसी भी समय अपने खेतों की सिंचाई कर सकते हैं। गांव का कोई भी किसान अपने मोबाइल सेट से इसे संचालित कर सकता है। इस योजना से गांव के 40 परिवार लाभान्वित हुए हैं।

व्यवसायिक खेती को लगेंगे पंख– भंडारण टैंक बनाने के लिए भूमि दान देने वाली किसान सावित्री देवी कहती हैं कि गांव की जमीन बड़ी उपजाऊ है। परंपरागत फसलों के अलावा सब्जियों की पैदावार अच्छी होती है, लेकिन सिंचाई सुविधा न होने से हमें बड़ी दिक्कत थी। सौर सिंचाई सुविधा से अब यह दिक्कत दूर हो गई है। आगे हम खेती को व्यवसायिक गतिविधि के तौर बढ़ाने का काम करेंगे।

योजना के संचालन व रखरखाव का जिम्मा कृषक विकास संघ– बलद्वाड़ा के कृषि भू–संरक्षण कार्यालय के कनिष्ठ अभियंता विनय शर्मा बताते हैं कि नगारवीं –बारी सौर सिंचाई योजना सामुदायकि स्तर पर बनाई गई है। इसके लिए सरकार की ओर से 100 फीसदी सब्सिडी दी गई है। गांव के लोगों के सहयोग से कृषक विकास संघ बनाया गया है जिसपर योजना के संचालन व रखरखाव का जिम्मा है।

यहां करें संपर्क–कृषि विभाग मंडी के उपनिदेशक जीत सिंह बताते हैं कि राज्य के सभी किसान जो प्रदेश में भूमालिक हों, इस योजना का लाभ लेने के पात्र हैं। इसके लिए अपने इलाके के भू संरक्षण अधिकारी या कृषि विकास अधिकारी अथवा कृषि विभाग मंडी के उपनिदेशक कार्यालय में आवेदन किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए किसान उपनिदेशक कार्यालय मंडी के दूरभाष नंबर 01905–236926 पर संपर्क कर सकते हैं।

क्या कहते हैं जिलाधीश– जिलाधीश ऋग्वेद ठाकुर का कहना है कि मंडी जिले में किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा मुहैया कराने में मदद कर उनकी आमदनी को दोगुना करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सौर सिंचाई योजना इसमें बड़ी सहायक है। इससे किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा कीव्यवस्था तो हुई ही है, पानी उठाने के लिए लगाई मोटर के बिजली बिल के झंझट से भी छुटकारा मिला है। इसके अलावा जिले में सरकार की किसान कल्याण की विभिन्न योजनाओं के अभिसरण से लोगों को लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया है।

हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल के निर्णय

हिमाचल प्रदेश मंत्रिमण्डल की आयोजित बैठक में प्रारम्भिक शिक्षा विभाग में जे.बी.टी, सी.एण्ड.वी. और टी.जी.टी. श्रेणियों के 3636 पद भरने का निर्णय लिया गया। ये पद भर्ती एवं पदोन्नति नियम के तहत अनुबंध आधार पर भरे जाएंगे। इनमें 684 पद टीजीटी कला, 359 टीजीटी नॉन–मेडिकल, 261 टीजीटी मेडिकल, 1049 शास्त्री, 590 भाषा अध्यापक तथा 693 जेबीटी के शामिल हैं।

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जिला मण्डी के निकट नागचला में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के विकास के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार तथा भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के मध्य समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करने के प्रारूप को स्वीकृति दी गई। पर्यटक विभाग के निदेशक को एएआई के साथ समझौता ज्ञापन तथा अन्य समझौतों आदि पर हस्ताक्षर करने के अधिकृत किया गया है।

मंत्रिमंडल ने 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 के मध्य प्रजातंत्र की रक्षा और लोगों के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने वाले लोगों को आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था अधिनियम (एमआईएसए) तथा डिफेंस ऑफ इंडिया रूल (डीआईआर) के तहत हिमाचल प्रदेश लोकतंत्र प्रहरी सम्मान राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी है। हिमाचल प्रदेश लोकतंत्र प्रहरी सम्मान राशि योजना, 2019 को क्रियान्वित करने की भी स्वीकृति दी गई।

जो परिवार वित्तीय कठिनाई से गुजर रहे है उन्हें केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से रोजगार पैकेज देने के उद्देश्य से मंत्रिमंडल ने मिशन अंतोदय लागू करने को स्वीकृति दी। इस कार्य के लिए ग्रामीण विकास विभाग एक लाख परिवारों का सर्वेक्षण करेगा और यह जानने के प्रयास करेगा कि क्या ये परिवार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित हो रहे हैं अथवा नहीं। दूसरे चरण में इन परिवारों की आर्थिक स्थिति का आकलन किया जाएगा जबकि तीसरे चरण में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें लाभान्वित करने का प्रयास किया जाएगा। मंत्रिमण्डल ने इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल शिमला, डा. राजेन्द्र प्रसाद मेडिकल कालेज टांडा तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री मेडिकल कॉलेज नेरचौक में कोकलीयर इम्पलांट सेंटर स्थापित करने को स्वीकृति प्रदान की। बैठक में मण्डी जिले के सिराज विकास खण्ड के जैंशला गांव में नए आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केन्द्र को खोलने के साथ विभिन्न श्रेणियों के तीन पदों को सृजित कर भरने की अनुमति दी गई। मंत्रिमण्डल ने मनाली एग्लोमरेशन कुल्लू घाटी क्षेत्र के लिए विकास योजना संशोधन को सहमति प्रदान की। मंत्रिमण्डल ने लोक निर्माण मण्डल किलाड़ के नियंत्रण में चल रहे सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मण्डल किलाड़ का नियंत्रण को चम्बा जिले के तीसा स्थित सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मण्डल भंजराडू को सौंपने का निर्णय लिया। इसे पदों सहित आईपीएच मंडल को हस्तांतरित किया जाएगा। इस निर्णय से सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग के किलाड़–पांगी उप–मण्डल की कार्यप्रणाली में सुधार आएगा।

मंत्रिमण्डल ने यमुना नदी में हिमाचल प्रदेश के जल के हिस्से को ताजेवाला कॉरीडोर में भुगतान के आधार पर बेचने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को भी अपनी अनुमति प्रदान की। इससे प्रदेश सरकार को सालाना 21 करोड़ रुपये की आमदनी होगी।

बैठक में मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप जिला कांगड़ा की उप–तहसील हरिपुर को तहसील में स्तरोन्नत करने का निर्णय लिया गया। मण्डी जिला के थुनाग तहसील के बगस्याड़ स्थित विश्राम गृह तथा कुल्लू जिला के आनी में लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में अतिरिक्त आवास के निर्माण को मंजूरी प्रदान की गई है। हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कार्यो(रोजगार और सेवा की स्थिति का विनियमन) नियम, 2014 के कुछ अनुभागों में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। यह संशोधन श्रमिकों को बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए बोर्ड के साथ पंजीकृत करने के लिए लिया गया है। बैठक में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बाउल, पिपलू तथा बुधान में विज्ञान की कक्षाएं आरम्भ करने तथा ऊना जिला के कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के बसाल, कुरियाला और रायसरी की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाओं में वाणिज्य की कक्षाएं आरम्भ करने को स्वीकृति प्रदान की गई। मण्डी जिला के सिराज विधानसभा क्षेत्र खारसी स्थित वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में नॉन–मैडिकल तथा वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पंजाई में मेडिकल कक्षाएं आरम्भ करने का निर्णय लिया गया है।

मण्डी जिला के सरकाघाट तहसील के श्री नबाही देवी मन्दिर को हिमाचल प्रदेश हिन्दू सार्वजनिक धार्मिक स्थान एवं पूर्त विन्यास अधिनियम, 1984 में लाने का निर्णय लिया गया। इस निर्णय से अब इस मन्दिर का नियंत्रण राज्य सरकार के अधीन होगा। शिमला जिला में सीमेंट उद्योग स्थापित करने तथा चूना पत्थर और खादान खनिजों के निष्कर्षण के लिए मै. डालमियां सीमेंट (भारत) लिमिटेड के पक्ष में तीन वर्ष के लिए लैटर ऑफ इंटेंट (आशय पत्र) को स्वी ति दी गई है। लोक निर्माण विभाग के वास्तुकार विंग में सीधी भर्ती से अनुबंध आधार पर बैच वाईज विभिन्न श्रेणियों के 10 पदों को भरने की स्वीकृति दी गई। बैठक में आयुर्वेद विभाग में दैनिक भोगी आधार पर पंचकर्मा मालिश करने वालो के 35 पदों को सृजित कर भरने की स्वीकृति प्रदान की। श्रम एवं रोजगार विभाग में जिला श्रम अधिकारी का रिक्त पद भरने का निर्णय लिया गया। मंत्रिमण्डल ने सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से अनुबन्ध आधार पर सीधी भर्ती द्वारा विधि अधिकारी के तीन पद भरने को भी स्वी ति दी। बैठक में जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के काजा और केलंग स्थित कार्यालयों में दैनिक भोगी आधार पर सेवादार के दो पद सृजित करने को भी सहमति प्रदान की गई। बैठक में मण्डी जिला के संधोल में सेरीकल्चर मण्डल स्थापित करने के साथ अतिरिक्त पदों को भरने की स्वीकृति दी गई।

अदाणी अहमदाबाद मैराथन ने बहादुर जवानों का सम्मान किया

अहमदाबाद, (ब्यूरो). भारत में सबसे बड़े कारपोरेट समूहों में से एक, अदाणी ग्रुप ने अदाणी अहमदाबाद मैराथन के तीसरे संस्करण को गर्व से झंडी दिखाकर रवाना किया। हर साल की तरह, इस साल भी भारतीय सैनिकों की बहादुरी को उजागर करने के लिए, अदाणी ग्रुप ने मैराथन को समर्पित किया। थीम रुतनद4वनतेवसकपमते भारत के वीर सैनिकों के प्रति एकजुटता दिखाने की एक पहल है जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना जीवन अर्पित किया है। लगातार तीसरे वर्ष, अदाणी ग्रुप हर सैनिक को सलाम करता है और मैराथन के माध्यम से उनके साहस की सराहना करने के लिए

पूरे देश को एकजुट कर रहा है। इस वर्ष एक कदम और आगे बढ़ाते हुए, मैराथन में मैराथन धावक और दर्शकों के लिए सैन्य अस्ध्त्रों का प्रदर्शन भी शामिल रहेगा। अपनी शुरुआत से, मैराथन देश में सबसे लोकप्रिय और सफल मैराथनों में से एक रहा है। इस साल इस मैराथन कुल 14,000 पंजीकरण हुए और कुल 12,000 प्रतिभागियों ने भागीदारी की जो पिछले दो संस्करणों से अधिक है। यह भी पहली बार है कि मैराथन को ग्ध्लोबल एक्रेडिशन कंपनी, एसोसिएशन अफ इंटरनेशनल मैराथन द्धएआईएमऋ सर्टिफिकेशन ने मान्यता प्रदान की है। दौड़ की श्रेणी में फुल मैराथन, हाफ मैराथन, 10 किमी और 5 किमी की दौड़ शामिल हैं।. 42 किमी की दौड़ के प्रमुख वर्ग के समारोह में शामिल होने वाले गणमान्य व्यक्ति श्री प्रणव अदाणी और श्री नरसन विलियम्सन थे, जिन्ध्होंने दौड़ को हरी झंड़ी भी दिखायी। 21 किमी को श्री प्रणव अदाणी, सीनियर मैनेजमेंट अरविंद मिल्स और सीनियर मैनेजमेंट यस बैंक ने हरी झंडी दिखाई। 10 किमी को एयर मार्शल श्रीकुमार प्रभाकरन वीएम, ब्रिगेडियर विनोद बाजिया, श्री करण अदाणी, श्रीमती परिधि अदाणी, श्री सागर अदाणी, श्री प्रणव अदाणी और श्रीमतीअदाणी अहमदाबाद मैराथन ने हमारे बहादुर जवानों का सम्मान किया नम्रता अदाणी ने हरी झंडी दिखाई। 5 किमी को माननीय मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रूपानी, श्री राजेश अदाणी और ब्रिगेडियर विनोद बाजिया द्वारा हरी झंडी दिखाई गयी। थीम के अनुसार, मैराथन में हर साल रक्षा कर्मियों की भागीदारी भी देखी जाती है। इस वर्ष मैराथन में रक्षा प्रतिष्ठान के लगभग 1500 कर्मी शामिल हुए, जिसमें वायु सेना, थल सेना और नौसेना के जवानों ने मैराथन में भाग लिया। इस पहलके साथ अदाणी ग्रुप इस कार्यक्रम से मिली आय का एक बड़ा हिस्सा भारतीय सशस्त्र बलों के कल्याण के लिए देगा।

मैराथन के तीसरे संस्ध्करण में अडानी ग्रुप ने मैराथन के उद्देश्य पर रोशनी डाला और प्रतिभागियों को हमारे सैनिकों के प्रति अपना योगदान देने का अवसर प्रदान किया। ध्मैराथन में दौड़ की चार श्रेणियों – 5 किमी, 10 किलोमीटर, 21.097 किलोमीटर और 42.195 किलोमीटर की

में रक्षा प्रतिष्ठानों – वायु सेना, थल सेना और नौसेना – की भागीदारी रही। ध भारतीय सैनिकों के सम्मान में 12,000 से अधिक धावकों ने भाग लिया। ध पुरुष वर्ग में पूर्ण मैराथन के विजेता किशारे गहवाने रहे, महिला वर्ग में दिव्या पडवी और रक्षा वर्ग में सुखदेव रहे।

ध पुरुष वर्ग में हाफ मैराथन के विजेता विष्णु राठौर हैं, महिला वर्ग में गार्गी शर्मा, और रक्षा वर्ग में दिनेश कुमार रहे। इस मैराथन के माध्यम से एक अच्छी तरह से सोची गई पहल 'मैराथन प्ध्लगर्स' का कन्ध्सेप्ध्ट है, जिसमें इस वर्ष 300 प्रतिभागियों ने स्वेच्छा से अपने मार्ग पर पड़े कचरे को भी उठाया है, और स्वस्थ तथा स्वच्छ पर्यावरण के लिए अपना योगदान दिया। इस पहल की अवधारणा अदाणी फाउंडेशन द्वारा की तैयार गई थी, जहाँ प्रतिभागियों ने स्वच्छाग्रह प्रमाणपत्र प्राप्त किया और 'प्ध्लगर्स' को मान्यता पत्र और विशेष उपहारों से सम्ध्मानित किया गया। मैराथन के बारे में बताते हुए, श्री प्रणव अदाणी, प्रबंध निदेशक, एग्रो एंड अयल एंड गैस ने कहा कि "हम अदाणी अहमदाबाद मैराथन के अपने तीसरे संस्करण में लगभग 12000 प्रतिभागियों की भागीदारी को देख कर खुश हैं। उन्होंने कहा कि लगातार तीसरे वर्ष आयोजित इस मैराथन में धावकों की, विशेष रूप से प्रोफेशनल मैराथन धावकों की भागीदारी में वृद्धि हुई है। इस वर्ष आयोजित मैराथन में भी मैराथन के पिछले संस्करणों जैसा ही जीवंत माहौल और उत्साह देखा गया।

कारावास के दिन सादे और अनुभव

एक पाशविक शैतान

शेरजंग
अनुवादक : निर्मला शेरजंग

प्रसिद्ध क्रांतिकारी व हिमाचल के शेर के नाम से विख्यात शेरजंग जो ज़िला सिरमौर से ताल्लुक रखते थे, इस महान् हस्ती ने सिरमौर का नाम पूरे देश में ऊँचा किया और यह परिवार आज भी उनके पौत्र मशहूर निशानेबाज समरेश जंग के रूप में सिरमौर का नाम पूरे विश्व में ऊँचा कर रहा है। उनके द्वारा अंग्रेजी में लिखित "ट्रिस्ट विथ टाईगर" नामक पुस्तक का हिन्दी में रूपान्तर "शेरों से मेरी मुलाक़ातें" तथा 'मैं घुम्मकड़ वनों का' उन्ही की भार्या प्रख्यात शिक्षाविद् व लेखिका निर्मला शेरजंग द्वारा किया गया तथा 'हिमवन्ती' समाचार में क्रमवार छपे शेरजंग की इस विश्व प्रसिद्ध पुस्तक के अंशों को पाठक पढ़ भी चुके हैं।

इसी श्रृंखला में एक अन्य पुस्तक 'कारावास के दिन' भी हम अपने पाठकों के सम्मूख प्रस्तुत करने जा रहे हैं। आशा है पाठकगण हमारे इस प्रयास की सराहना करेंगे और यह हमारी ओर से शेरजंग व उनकी पत्नी निर्मला शेरजंग को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। **–सम्पादक**

यदि वह सब स्वयं मेरे साथ न बीता होता और या मैंने उसे अपनी आँखों से न देखा होता तो मैं कभी भी विश्वास नहीं कर सकता था कि इसे करने वाला वही स्वाभिमानी पठान था जिसने अपने मिथ्या गौरव के लिए, कानून की अवहेलना करते हुए, शल्यचिकित्सक के कान काटने का भद्दा अपराध किया था। मेरे लिए यह विश्वास करना भी कठिन था कि वही पठान एक दिन जेल अधिकारियों के सामने इतना गिर जाएगा; उनका एक गंदा चापलूस कारिंदा बन जाएगा; उन्हें प्रसन्न करने के लिए हाथ में बेंत लेकर, पीटने वालों के दस्तों का प्रबंध करेगा और उन्हें कुत्तों की तरह अपने पुराने साथियों और मित्रों पर नोचने –घसीटने के लिए छोड़ देगा। वह न वृद्ध व्यक्तियों को और न अस्पताल की चारपाइयों पर पड़े मरीज़ों को छोड़ताा था। इन अत्याचारों को करने के बदले में उसे पुरस्कारद के रूप में दूसरे कैदियों के सीमित राशन में से चोरी करने के बदले में उसे पुरस्कार के रूप में दूसरे कैदियों के सीमित राशन में से चोरी करने और बच्चों के वार्ड में उनसे बलात्कार करने की छूट थी।

वर्तमानिक स्थिति के आघातों से यदि किसी व्यक्ति का अपने पिछले दिनों से नाता टूट जाए तो उस पर केवल खेद प्रकट किया जा सकता है। सरफराज़ खाँ, केवल जीवित भर रहने के लिए वर्तमान में ही सिमट गया था और वर्तमान के नियमों को निभा रहा था। व्यक्ति के भावशून्य हो जाने पर उसके लिए न तो कोई वास्तविकता रह जाती है और न ही जीवन की सार्थकता। उसके लिए बस रह जाता है क्षणभंगुर वर्तमान। निरंतर बदलने वाले कमज़ोर धागों से बँधा हुआ वह व्यक्ति हवा के झंकोरों के साथ भटकता रहता है। उसके सामने न जीवन का लक्ष्य होता है और न पिछली परंपराएँ जो उसका मार्गदर्शन कर सकें।

इस जेल में मैंने जीवन का एक सरल पाठ नहीं, जिसे जेल–अध्यक्ष मुझे सिखलाना चाहते थे, बल्कि वह पाठ जो यहाँ की दुखिया जनता ने मुझे सिखलाया था। यहाँ पर हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बूढ़े, जवान–सब थे। वे अलग – अलग भाषाएँ बोलते थे– सिंधी, बलूची, पश्तो, पंजाबी। वे अलग–अलग तरह से सोचते थे। तथापि भारतीय जनता के सब धर्मों, विचारों और विश्वासों के लोग इस दुःख दरिद्रता की दुनिया में साथ–साथ रहते थे–वे सब इकट्ठे थे, एक ही भीड़ के सदस्य थे। यहाँ आकर मैंने यह भी सीखा कि जिन बातों का मुझे गर्व था उनका कोई विशेष महत्व नहीं था। जैसे भाषा–जो मैंने अपनी माँ से सीखी थी, प्यारी स्मृतियाँ –जिन्हें मैंने अपने पहाड़ी क्षेत्र में संग्रह किया था, परंपराएँ –जिन्हें मैंने वहाँ के मुक्त हृदय निवासियों से ग्रहण किया था, कुछ विशेष महत्व नहीं रखती थीं। वास्तव में, वे कुछ ऐसी झूठी बाधाएँ थीं जो मेरे और दूसरों के बीच दूरी पैदा करती थीं। मुँह पर लगे थप्पड़ की चोट मुसलमान को भी उतनी ही चोट पहुँचाती है जितनी किसी हिंदू, सिख या ईसाई कोउसकी सामाजिक स्थिति क्या है, उसकी त्वचा का रंग क्या है, वह कौन सी भाषा बोलता है, इससे चोट में कोई अंतर नहीं आता। अर्थात् चोट की दर्द सबके लिए एक–सी होती है–उसमें व्यक्ति की भाषा, रंग या सामाजिक स्थिति से कोई अंतर नहीं आता। किंतु यह सही है कि चोट के प्रति अलग–अलग व्यक्तियों की प्रतिक्रियाएँ अलग–अलग होती हैं जो उनके पालन–पोषण, रहन–सहन और शिक्षा –दीक्षा पर निर्भर करती है। अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति की प्रतिक्रिया उसकी सांस्कृतिक पृष्टभूमि के अनुरूप होती है। उदाहरणार्थ अलग–अलग माध्यम से सब सपने देखते हैं, किंतु सबके सपनों के मूल में मनुष्य की सामान्य इच्छाएँ ही तो होती हैं। हर व्यक्ति सुरक्षा, आज़ादी और शांति में रहना चाहता है। इसी प्रकार हर व्यक्ति के मन में एक ऐसी नारी–माँ, प्रेयसी या पत्नी की इच्छ होती है जिसके सीने पर वह अपना दुःखी सिर रख सके।

यहाँ आकर मैंने यह भी सीखा कि यह विचार ही गलत है कि कुछ व्यक्ति बड़े और महान् होते हैं और कुछ छोटे और तुच्छ। सभी मनुष्य हैं –एक से मनुष्य। अंतर केवल इतना है कि कुछ में विकास की क्षमता अधिक होती है और कुछ में कम साथ–साथ होते हैं। यह मेरे लिए भी सत्य है और मेरे निकट आसपास के अन्य व्यक्तियों के लिएद भी। दूसरे शब्दों में, परस्पर विरोधी गुण–अच्छाई और बुराई–सबमें होते हैं चाहे कोई सिद्ध पुरूष हो या ऋषि–मुनि, चाहे शैतान हो या ठग, चाहे कोई डरपोक मेमना हो या आतंककरी भेड़िया।

उस समय से मैंने छोटे गिरे हुए व्यक्तियों को सहारा देना सीखा। जब कभी मैं किसी नीच, लालची व स्वार्थी को देखता था तब मुझे वह सारे अवसर याद आ जाते थे जब मैंने भी उन जैसा व्यवहार किया था। जेल ने मुझे सहनशील होना सिखाया, अर्थात् दूसरों के प्रति सहनशील होना सिखाया। वहाँ मैंने यह भी सीखा कि प्रसिद्धि और सफलता की उत्कंठा अर्थहीन है क्योंकि वहाँ जो लोग मेरे आसपास थे मैं भी उन जैसा एक आदमी था– न उनसे बुरा और न उनसे अच्छा। वहाँ मैंने यह भी सीखा कि हर मनुष्य के लिए मानव–गौरव और सच्चाई की रक्षा करना नितांत आवश्यक है। इसमें न कोई समझौता हो सकता है और न होना चाहिए। मानव–गौरव और सच्चाई बिल्कुल नीरस और खाली हो जाता है, भले ही वह पूरे संसार का मालिक क्यों न हो।

मेरी कोठरी पृथक्करण वार्ड की पहली मंजिल में थी। इसके दोनों ओर खाली कोठरियाँ थीं। मेरे एकाकी कारावास को दुःखदायी बनाने के लिए मुझे इस कोठरी में रखा गया था। एकाकी कारावास की यह व्यवस्था किसी भी स्वस्थ बुद्धि व्यक्ति को पागल बना सकती थी।

कांगड़ा के युवक ने पंखे से फंदा लगाकर की आत्महत्या

बीबीएन (शांति गौतम). पुलिस थाना बरोटीवाला के तहत एक युवक द्वारा पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों को सौंप कर आगामी जांच शुरु कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली की गांव मंधाला में मकान मालिक बिरेन्द्र के मकान में रहने वाले किरायेदार गोल्डी कपूर पुत्र जिगरी राम निवासी शैल तहसील व थाना बैजनाथ जिला कांगड़ा ने आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची व निरिक्षण करने पर पाया गया कि गोल्डी कपूर ने किराये के कमरा के छत में लगे पंखे से मफलर बांधा कर फंदा लगाकर आत्महत्या की है। पुलिस ने तुरंत शव को अपने कब्जे में ले लिया और जांच शुरु कर दी।

मामले की पुष्टि करते हुए एएसपी बद्दी एनके शर्मा ने बताया कि पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और आगामी कार्रवाई शुरु कर दी है।

आपके घर बाजे शहनाई हमारी लाख-लाख बधाई

सरदारनी जोगिन्द्र कौर पत्नी स्वं श्री हरबंस सिंह केदारपुर निवासी के सुपुत्र **चिंरजीव कुलविन्द्र सिंह एवं आयुष्मति अनीता** सुपुत्री श्रीमती एवं श्री कर्मचंद निवासी टोका नगला, पो.ओ. तहसील पांवटा साहिब जिला सिरमौर हि.प्र. के साथ 6 दिसम्बर 2019 को परिणय सूत्र. में बंधने जा रहे हैं

हिमवन्ती परिवार की नव युगलों को ढेर सारी शुभकामनाएं।

क्षणिका

-अंजना रतन

लिखते रहेंगे
ऐसा कुछ
जो छूता रहे तुम्हारा मन।
हर पल हर वक्त
जो दिलाता रहे मेरी याद।
मेरी कलम मेरे अल्फ़ाज
सिर्फ और सिर्फ
तुम्हारा जिक्र करती रहेंगी
और करवाती रहेंगी
तुम्हें आभास।
आज भी कोई है
जो तुम्हें शिद्दत से
वैसे ही चाहता है
जैसे चाहता था कभी।।

ट्राउट उत्पादन में नया कीर्तिमान स्थापित करने की ओर बढ़ रहा है हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश की बारहमासी नदियां, ट्राउट मछली उत्पादन और मछुआरों को अपनी आमदनी में वृ्द्धि के लिए अपार अवसर प्रदान करती हैं। राज्य सरकार मत्स्य क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, जिसके लिए विभिन्न योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं।

पिछले कुछ वर्षों में हिमाचल प्रदेश देश में प्रमुख ट्राउट मछली उत्पादक राज्य के रूप में उभरा है। इस वित्त वर्ष दौरान ट्राउट मछली उत्पादन रिकार्ड 685 मीट्रिक टन होने की संभावना है। राज्य सरकार ने सीएसएस–नीति क्रांति के अंतर्गत शिमला, चंबा और कांगड़ा में ट्राउट मछली के आउटलेट खोलने का फैसला किया है जिन्हें शीघ्र कार्यशील बनाया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश में ब्यास, सतलुज और रावी नदियों की बर्फीली नदियों में मत्स्य पालन आरम्भ गया है, जो पहाड़ी राज्यों में ट्राउट के लिए सबसे अनुकूल है। प्रदेश के सात ट्राउट मछली उत्पादन जिलों कुल्लू, मंडी, शिमला, किन्नौर, चंबा, कांगड़ा और सिरमौर में वर्ष 2018–19 के दौरान 2558 लाख रुपये का कुल 568.443 मीट्रिक टन ट्राउट मछली उत्पादन दर्ज किया गया।

मत्स्य पालन मंत्री वीरेंद्र कंवर के अनुसार, राज्य ने वर्ष 2020–21 के दौरान ठंडे पानी में 800 मीट्रिक टन ट्राउट मछली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जबकि वर्ष 2021–22 के लिए 950 मीट्रिक टन ट्राउट मछली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मत्स्य पालन विभाग ने ट्राउट मछली की बिक्री के लिए 940 ट्राउट इकाइयां विकसित करने के लिए महत्वाकांक्षी विपणन नीति भी तैयार की है। विभाग फिश वैन के माध्यम से ट्राउट मछली के विपणन के लिए इस वित्त वर्ष के दौरान ट्राउट क्लस्टर स्थापित करेगा। वर्तमान में राज्य में होने वाले ट्राउट मछलियों के उत्पादन में से लगभग 50 प्रतिशत की बिक्री मुख्य रूप से दिल्ली, मुंबई और चेन्नई आदि जैसे महानगरों के पाँच सितारा होटलों में की जा रही है।

राज्य सरकार ने प्रदेश में ट्राउट मछली उत्पादन के कार्य से जुड़े लगभग 500 परिवारों को पारिश्रमिक मूल्य सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता और मात्रा दोनों को बढ़ाकर महानगरीय शहरों में विपणन पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया है। मत्स्य विभाग आईसीएआर –सेंट्रल मेराइन फिशरीज रिसर्च इंस्टीच्यूट, कोच्चि के सहयोग से मछली बिक्री के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी विकसित कर रहा है।

मछली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कुल्लू जिले के पतीकूहल, हामनी, चम्बा जिले के होली ठैला और भांदल, जिला मंडी के बड़ोट, किन्नौर जिला के सांगला और जिला शिमला के धमवाड़ी में ट्राउट फार्म स्थापित किए गए हैं। सरकार ने ट्राउट फार्मिंग सात जिलों में निजी क्षेत्र में 29 ट्राउट हैचरी स्थापित करने का भी निर्णय लिया है। आने वाले वर्षों में सीएसएस–बीआर और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत ये हैचरी कुल्लू, मंडी, शिमला, किन्नौर, चंबा, कांगड़ा और सिरमौर जिलों स्थापित होंगी और प्रत्येक हैचरी में प्रति वर्ष 2.00 लाख की ट्राउट ओवा उत्पादन क्षमता होगी।

राज्य सरकार ट्राउट मछली उत्पादन से जुड़े किसानों को गुणवत्ता वाले बीज और फीड प्रदान करने के लिए मछली बीज प्रमाणीकरण और मान्यता एजेंसी स्थापित करने की भी योजना बना रही है। ट्राउट मूल्य श्रृंखला में प्रौद्योगिकी और उत्पादन प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने के लिए, कुल्लू जिले के ट्राउट फार्म पतलीकुहल में स्मोक्ड ट्राउट कैनिंग सेंटर भी तैयार किया जा रहा है।

निजी क्षेत्र में ट्राउट मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न केंद्र प्रायोजित और राज्य योजनाओं के अंतर्गत ट्राउट इकाइयों, हैचरी, फीड मिलों, खुदरा दुकानों आदि के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता दी जा रही है। विभाग राज्य योजना के तहत ट्राउट उत्पादकों को ट्राउट बीमा भी प्रदान कर रहा है।

मछली उत्पादन संगठनों (एफपीओ) को प्रोत्साहित करना सरकार की प्राथमिकताओं में एक है, जो मछली उत्पादों के लिए फसल के बाद के बुनियादी ढांचे के विकास की परिकल्पना करता है और उन्हें लाभकारी बाजार उपलब्ध कराता है।

भगवान पर भरोसा

- समीर शर्मा

एक पुरानी सी इमारत में था वैद्यजी का मकान। पिछले हिस्से में रहते थे और अगले हिस्से में दवाखाना खोल रखा था। उनकी पत्नी की आदत थी कि दवाखाना खोलने से पहले उस दिन के लिए आवश्यक सामान एक चिठ्ठी में लिख कर दे देती थी। वैद्यजी गद्दी पर बैठकर पहले भगवान का नाम लेते फिर वह चिठ्ठी खोलते। पत्नी ने जो बातें लिखी होतीं, उनके भाव देखते, फिर उनका हिसाब करते। फिर परमात्मा से प्रार्थना करते कि हे भगवान! मैं केवल तेरे ही आदेश के अनुसार तेरी भक्ति छोड़कर यहाँ दुनियादारी के चक्कर में आ बैठा हूँ। वैद्यजी कभी अपने मुँह से किसी रोगी से फीस नहीं माँगते थे। कोई देता था, कोई नहीं देता था किन्तु एक बात निश्चित थी कि ज्यों ही उस दिन के आवश्यक सामान खरीदने योग्य पैसे पूरे हो जाते थे, उसके बाद वह किसी से भी दवा के पैसे नहीं लेते थे चाहे रोगी कितना ही धनवान क्यों न हो।

एक दिन वैद्यजी ने दवाखाना खोला। गद्दी पर बैठकर परमात्मा का स्मरण करके पैसे का हिसाब लगाने के लिए आवश्यक सामान वाली चिट्ठी खोली तो वह चिठ्ठी को एकटक देखते ही रह गए। एक बार तो उनका मन भटक गया। उन्हें अपनी आँखों के सामने तारे चमकते हुए नजर आए किन्तु शीघ्र ही उन्होंने अपनी तंत्रिकाओं पर नियंत्रण पा लिया। आटे–दाल–चावल आदि के बाद पत्नी ने लिखा था, 'बेटी का विवाह 20 तारीख को है, उसके दहेज का सामान।' कुछ देर सोचते रहे फिर बाकी चीजों की कीमत लिखने के बाद दहेज के सामने लिखा, " यह काम परमात्मा का है, परमात्मा जाने।"

एक–दो रोगी आए थे। उन्हें वैद्यजी दवाई दे रहे थे। इसी दौरान एक बड़ी सी कार उनके दवाखाने के सामने आकर रुकी। वैद्यजी ने कोई खास तवज्जो नहीं दी क्योंकि कई कारों वाले उनके पास आते रहते थे। दोनों मरीज दवाई लेकर चले गए। वह सूटेड –बूटेड साहब कार से बाहर निकले और नमस्ते करके बेंच पर बैठ गए। वैद्यजी ने कहा कि अगर आपको अपने लिए दवा लेनी है तो इधर स्टूल पर आएँ ताकि आपकी नाड़ी देख लूँ और अगर किसी रोगी की दवाई लेकर जाना है तो बीमारी की स्थिति का वर्णन करें।

वह साहब कहने लगे वैद्यजी! आपने मुझे पहचाना नहीं। मेरा नाम ष्णलाल है लेकिन आप मुझे पहचान भी कैसे सकते हैं? क्योंकि मैं 15–16 साल बाद आपके दवाखाने पर आया हूँ। आप को पिछली मुलाकात का हाल सुनाता हूँ, फिर आपको सारी बात याद आ जाएगी। जब मैं पहली बार यहाँ आया था तो मैं खुद नहीं आया था अपितु ईश्वर मुझे आप के पास ले आया था क्योंकि ईश्वर ने मुझ पर पा की थी और वह मेरा घर आबाद करना चाहता था। हुआ इस तरह था कि मैं कार से अपने पैतृक घर जा रहा था। बिल्कुल आपके दवाखाने के सामने हमारी कार पंक्चर हो गई। ड्राईवर कार का पहिया उतार कर पंक्चर लगवाने चला गया। आपने देखा कि गर्मी में मैं कार के पास खड़ा था तो आप मेरे पास आए और दवाखाने की ओर इशारा किया और कहा कि इधर आकर कुर्सी पर बैठ जाएँ। अंधा क्या चाहे दो आँखें और कुर्सी पर आकर बैठ गया। ड्राइवर ने कुछ ज्यादा ही देर लगा दी थी।

एक छोटी–सी बच्ची भी यहाँ आपकी मेज के पास खड़ी थी और बार–बार कह रही थी, श्श चलो न बाबा, मुझे भूख लगी है। आप उससे कह रहे थे कि बेटी थोड़ा धीरज धरो, चलते हैं। मैं यह सोच कर कि इतनी देर से आप के पास बैठा था और मेरे ही कारण आप खाना खाने भी नहीं जा रहे थे। मुझे कोई दवाई खरीद लेनी चाहिए ताकि आप मेरे बैठने का भार महसूस न करें। मैंने कहा वैद्यजी मैं पिछले 5–6 साल से इंग्लैंड में रहकर कारोबार कर रहा हूँ। इंग्लैंड जाने से पहले मेरी शादी हो गई थी लेकिन अब तक बच्चे के सुख से वंचित हूँ। यहाँ भी इलाज कराया और वहाँ इंग्लैंड में भी लेकिन किस्मत ने निराशा के सिवा और कुछ नहीं दिया।'

आपने कहा था, 'मेरे भाई! भगवान से निराश न होओ। याद रखो कि उसके कोष में किसी चीज की कोई कमी नहीं है। आस–औलाद, धन–इज्जत, सुख– दुःख, जीवन–मृत्यु सब कुछ उसी के हाथ में है। यह किसी वैद्य या डक्टर के हाथ में नहीं होता और न ही किसी दवा में होता है। जो कुछ होना होता है वह सब भगवान के आदेश से होता है। औलाद देनी है तो उसी ने देनी है। मुझे याद है आप बातें करते जा रहे थे और साथ–साथ पुड़िया भी बनाते जा रहे थे। सभी दवा आपने दो भागों में विभाजित कर दो अलग–अलग लिफाफों में डाली थीं और फिर मुझसे पूछकर आप ने एक लिफाफे पर मेरा और दूसरे पर मेरी पत्नी का नाम लिखकर दवा उपयोग करने का तरीका बताया था।

मैंने तब बेदिली से वह दवाई ले ली थी क्योंकि मैं सिर्फ कुछ पैसे आप को देना चाहता था। लेकिन जब दवा लेने के बाद मैंने पैसे पूछे तो आपने कहा था, बस ठीक है। मैंने जोर डाला, तो आपने कहा कि आज का खाता बंद हो गया है। मैंने कहा मुझे आपकी बात समझ नहीं आई। इसी दौरान वहां एक और आदमी आया उसने हमारी चर्चा सुनकर मुझे बताया कि खाता बंद होने का मतलब यह है कि आज के घरेलू खर्च के लिए जितनी राशि वैद्यजी ने भगवान से माँगी थी वह ईश्वर ने उन्हें दे दी है। अधिक पैसे वे नहीं ले सकते।

मैं कुछ हैरान हुआ और कुछ दिल में लज्जित भी कि मेरे विचार कितने निम्न थे और यह सरलचित्त वैद्य कितना महान है। मैंने जब घर जा कर पत्नी को औषधि दिखाई और सारी बात बताई तो उसके मुँह से निकला वो इंसान नहीं कोई देवता है और उसकी दी हुई दवा ही हमारे मन की मुराद पूरी करने का कारण बनेंगी। आज मेरे घर में दो फूल खिले हुए हैं। हम दोनों पति–पत्नी हर समय आपके लिए प्रार्थना करते रहते हैं। इतने साल तक कारोबार ने फुरसत ही न दी कि स्वयं आकर आपसे धन्यवाद के दो शब्द ही कह जाता। इतने बरसों बाद आज भारत आया हूँ और कार केवल यहीं रोकी है।

वैद्यजी हमारा सारा परिवार इंग्लैंड में सेटल हो चुका है। केवल मेरी एक विधवा बहन अपनी बेटी के साथ भारत में रहती है। हमारी भान्जी की शादी इस महीने की 21 तारीख को होनी है। न जाने क्यों जब–जब मैं अपनी भान्जी के भात के लिए कोई सामान खरीदता था तो मेरी आँखों के सामने आपकी वह छोटी–सी बेटी भी आ जाती थी और हर सामान मैं दोहरा खरीद लेता था। मैं आपके विचारों को जानता था कि संभवतः आप वह सामान न लें किन्तु मुझे लगता था कि मेरी अपनी सगी भान्जी के साथ जो चेहरा मुझे बार–बार दिख रहा है वह भी मेरी भान्जी ही है। मुझे लगता था कि ईश्वर ने इस भान्जी के विवाह में भी मुझे भात भरने की जिम्मेदारी दी है।

वैद्यजी की आँखें आश्चर्य से खुली की खुली रह गई और बहुत धीमी आवाज में बोले, 'कृष्णलाल जी, आप जो कुछ कह रहे हैं मुझे समझ नहीं आ रहा कि ईश्वर की यह क्या माया है। आप मेरी श्रीमती के हाथ की लिखी हुई यह चिठ्ठी देखिये।' और वैद्यजी ने चिट्ठी खोलकर ष्णलाल जी को पकड़ा दी। वहाँ उपस्थित सभी यह देखकर हैरान रह गए कि ''दहेज का सामान'' के सामने लिखा हुआ था '' यह काम परमात्मा का है, परमात्मा जाने।''

काँपती–सी आवाज में वैद्यजी बोले, 'कृष्णलाल जी, विश्वास कीजिये कि आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ कि पत्नी ने चिठ्ठी पर आवश्यकता लिखी हो और भगवान ने उसी दिन उसकी व्यवस्था न कर दी हो। आपकी बातें सुनकर तो लगता है कि भगवान को पता होता है कि किस दिन मेरी श्रीमती क्या लिखने वाली हैं अन्यथा आपसे इतने दिन पहले ही सामान खरीदना आरम्भ न करवा दिया होता परमात्मा ने। वाह भगवान वाह! तू महान है तू दयावान है। मैं हैरान हूँकि वह कैसे अपने रंग दिखाता है।'

वैद्यजी ने आगे कहा, सँभाला है, एक ही पाठ पढ़ा है कि सुबह परमात्मा का आभार करो, शाम को अच्छा दिन गुजरने का आभार करो, खाते समय उसका आभार करो, सोते समय उसका आभार करो।

लुप्त होती प्राचीन संस्कृति चिंता का विषय

-सुन्दर सिंह चौहान

कहा जाता है, संस्कृति हमारी विरासत है और यही हमारी पहचान है। लेकिन धीरे–धीरे हम अपनी पहचान खोते जा रहे हैं। हमारे पुरखों द्वारा तैयार की गई संस्कृति जिसे हम विरासत समझते हैं को हम भूलते जा रहे हैं। भविष्य में यह सब हमारे पतन का मुख्य कारण बन सकता है। चूंकि जब हम अपनी पहचान ही को देंगे तो फिर हमारा अस्तित्व कहां रह जाऐगा। ऐसे में जरूरी है की हम अपने संस्कृति को संजोए रखने का काम करें। इसके लिए नई पीढ़ी को आगे आना होगा। चूंकि नई पीढ़ी खुद को कुछ ज्यादा ही स्मार्ट समझने लगी है, उसे लगता हे आज दुनिया उनकी मुट्ठी में है। इसका एक कारण यह है की दुनिया डिजीटलाईजेशन की तरफ बढ़ रही है जिसे अपनाने में युवा पीढ़ी हमेशा तत्पर रहती है। मोबाइल फोन ने उनको उस तरफ जाने के लिए ओर प्रोत्साहित कर दिया है उनको लगता है की आज पुरी दुनिया के मालिक हैं। यही कारण हे की युवा अपनी संस्कृति को भुलाकर पाश्चत्य संस्कृति की तरफ झुकता जा रहा है जो हमारी संस्कृति के लुप्त होने का सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है। सिरमौर का गिरीपार क्षेत्र अपनी अनूठी संस्कृति के लिए जाना जाता है। यहां की संस्कृति रिती रिवाज देवी देवता पुरे भारत से अलग है। जो त्यौहार यहां मनाएं जाते हैं बिल्कुल अलग है। बुढ़ी दिवाली माघी त्योहार तथा बिशू हरियालटी जेसे मेले ऐसे है जो पुरे भारत से अलग है। इसी तरह यज्ञ का पहनावा लोईया कोट सूथन लुगड़ी भी एक पहचान है लेकिन नई पीढ़ी इससे अलग होती जा रही है। पहले हर त्यौहार पर लोग अपने घर लोटते थे लेकिन अब बहुत कम लोग ही घर लोटते है। बुढ़ी दिवाली पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम समाप्त हो रहे हैं बहुत सारे गांव ऐसे हैं जहां दिवाली मनाने की सिर्फ औपचारिकता रह गई है। मतलब ज्यादातर गांव में बुढियात नहीं निकाली जाती है। उसका कारण यह है की बुढियात निकालने का जिम्मा सिर्फ एक समुदाय पर छोड़ जाता है समय बदलते वो लोग भी अब इसे छोड़ रहे हैं जिसके कारण जहां बुढ़ी दिवाली की पहचान खत्म हो रही है वहीं हमारी संस्कृति लुप्त होने के कगार पर है। आज हर युवा को अपनी विरासत बचाने के लिए आगे आना होगा। गांव में खेती जा रही अपनी पहचान को दोबारा से जिंदा करने के लिए काम करना होगा। तभी हम अपनी विरासत को बचा सकते हैं। रियासत काल में हमसे अलग हुए जौनसार बावर की बात करे तो वहां पर हमारे से ज्यादा संस्कृति संवर्धन का काम होता है वो लोग अपनी विरासत बचाने के लिए आगे आते हैं बड़े से बड़े अधिकारी कर्मचारी हर त्यौहार पर घर पहुंचते हैं और मिलकर त्यौहार मनाते हैं।

गिरि पेयजल आपूर्ति योजना शीघ्र होगी आरम्भ-बिंदल

नाहन (पे.वि). विधान सभा अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल ने कहा कि 50 करोड़ रुपये की गिरि पेयजल योजना से शहर को जलापूर्ति शुरू करने का कार्य अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा गिरी पेयजल योजना की सफल टेस्टिंग हो चुकी है और नगरजनों को शीघ्र गिरी पेयजल का लाभ देने के लिए नाहन शहर के प्रमुख भंडारण टैंकों को आपस में जोड़ने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नाहन शहर को आने वाले 25 सालों तक समुचित मात्रा में पेयजल उपलब्ध हो इस दिशा में गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं।

डा. बिंदल ने कहा कि नाहन शहर के प्रमुख भंडारण टैंकों को आपस में जोड़ने के लिए 34 किलोमीटर नई पाईप लाईनें बिछाई जानी हैं जिनमें से 9 किलोमीटर लाईन बिछाने का कार्य पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि नई पाईप लाईनें बिछाने के दौरान सड़कों की खुदाई से नगर जनों को थोड़ी असुविधा जरूर होगी किन्तु उन्होंने आईपीएच विभाग को कम से कम समय में इस कार्य को पूरा करने के लिए आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दशकों से चली आ रही शहर की पेयजल की समस्या के समाधान के लिए नई पाईप लाईनों का बिछाया जाना अनिवार्य है और इस कार्य में नगरजनों को भी अपना सकारात्मक सहयोग देना चाहिए।

डा. बिंदल ने कहा कि हजारों लोगों को अगले 25 सालों तक निरंतर पीने का पानी मिले उसके लिए सड़क खुदाई से जो असुविधा नगरजनों को झेलनी पड़ रही है वह स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि विगत दो सालों से नाहन शहर को माकूल पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है परन्तु हमें पानी की कीमत समझना जरूरी है और पेयजल को बेकार बहाने से हमें बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमेंयह समझना होगा कि शहरजनों ने कैसे करीब 40 सालों बिना पानी के गुजारा किया, इसलिए पेयजल को व्यर्थ गंवाना महापाप है। विधानसभा अध्यक्ष डा. बिंदल ने कहा कि शहर के प्रमुख 13 भंडारण टैंकों को आपस में जोड़ने के लिए नई पाईप लाईनें डालने के साथ ही एसडीएम कार्यालय, मेडिकल कलोनी के समीप, मोरधरी, बीड़वाली और नाहन फाउंडरी के समीप पांच नये टैंक जा रहे हैं।

"E-Procurement Notice"
Invitation for Bids (IFS)

The Executive Engineer Electrical Division HPPWD Palampur HP on behalf of Governor of Himachal Pradesh Re-invited (Sr.No.1 to 5) invites the item rate bids in Electronic Tendering system in Sr. No. 1 to 5 one covers from the eligible class of contractors registered with HPPWD for the works as detailed in the table.

SNo. Name of work	Estimated cost	Starling Date For Downloading Bid	Earnest Money	Dealing for submission of Bid.
1. Providing 62.5KVA DG set along with Gererator supply cables at HPPWD Rest House Bhanjraru	9,43,860/-	05-12-2019 from 5.00 PM	18,900/-	18-12-2019 upto 5.00 PM.
2. Providing 30KVA DG set along with Gererator supply cables at Division Office HPPWD Tissa Distt. Chamba (HP)	6,60,815/-	05-12-2019 from 5.00 PM	13,300/-	18-12-2019 upto 5.00 PM.
3. Running operation of EL to Various Govt NR building in Dr RPGMC Kangra at Tanda (SH: Engagement of EL maintenance staff i.e. Electrician/ T-Mates (Electrical) in 500 bedded Hospital building in Dr RPGMC tanda in General ward, special/ PVT ward. Facalty Block MS Office and Casualty block of 500 bedded Hospital for the year 2019-20)	8,06,400/-	05-12-2019 from 5.00 PM	16,200/-	18-12-2019 upto 5.00 PM.
4. Running operation of EL to Various Govt NR building in Dr RPGMC Kangra at Tanda (SH: Engagement of EL maintenance staff i.e. Electrician/ T-Mates (Electrical) in 500 bedded Hospital building in Dr RPGMC tanda in Treatment block-5, service block-4, Maternity block -6 and OPD Block- 1 of Hospital for the year 2019-20)	6,75,720/-	05-12-2019 from 5.00 PM	13,600/-	18-12-2019 upto 5.00 PM.
5. Annual repair and Maintenance of Nos, 26 passenger lift elevator OTIS make in OPD block civil Hospital at Palampur for the year 2018-19& 2019720	5,18,247/-	05-12-2019 from 5.00 PM	10,400/-	18-12-2019 upto 5.00 PM.

The bidders are advised to note other details of tenders from the department website WWW.HPtenders.gov.in

Executive Engineer
Electrical Division
HPPWD- Palampur-Pin. 176061
E-mail ee-elep-hp@nic.in
on behalf of Governor of Himachal Pradesh.

3244/2019-20
HIM SUCHANA AVAM JAN SAMPARK

नगर परिषद ने तोडे अवैध तौर पर बने शैड

बीबीएन (शांति). नगर परिषद बद्दी द्वारा साईं मार्ग पर स्थित अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए सख्त कार्रवाई की गई। परिषद के कर्मचारियों ने दुकानों के आगे बनाए गए टीन शैड ध्वस्त कर दिए जिसके कारण सारा सामान सड़क पर आ जाता है और पार्किंग के लिए एक ईंच भी स्थान नहीं बचता। इस स्थान पर सामान डिस्प्ले करने के कारण बाजार में पार्किंग नहीं बचती और लोग सड़क पर ही गाडी खड़ी करके सामान खरीदना शुरु कर देते हैं जिससे जाम लग जाता है।

दुकानदारों को हिदायत दी गई कि वह कल तक अपनी दुकानों के आगे जो भी अतिक्रमण किया गया है उसको हटा लें अन्यथा प्रशासन की तरफ से जेसीबी द्वारा तोड़ा जाएगा और जेसीबी का खर्चा भी दुकानदारों से वसूला जाएगा। बता दें कि अतिक्रमण को हटाने के लिए पिछले सप्ताह व्यापारियों द्वारा कड़ा विरोध किया गया था। कुछ समय के लिए बद्दी-साईं मार्ग को भी जाम किया था। उसमें भी अधिकारियों ने सभी को आदेश दिए थे कि इस मार्ग पर जो जिस भी दुकानदार ने अतिक्रमण किया हुआ है उसको हर हालत में उठाना ही पड़ेगा परंतु उसके बावजूद भी दुकानदारों ने इसको नहीं उठाया था। उसी कड़ी को लेकर आज नगर परिषद के अधिकारी व नायब तहसीलदार बद्दी पुलिस बल के साथ पहुंचे और हटाने का कार्य किया और साथ ही हिदायत दी कि इसको कल तक हटा लें। अधिकारियों ने बताया कि यहकोर्ट के आदेश हैं इसके ऊपर किसी भी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाएगा। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी रणवीर वर्मा ने कहा कि दुकानदारों को अपने आगे बने शैड व टीन के ढारे समय रहते हटा लेने चाहिए वरना शनिवार के बाद इस अभियान को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने उनको एक दिन का समय दिया है। उसके बाद किसी को बख्शा नहीं जाएगा। बद्दी सुधार सभा के अध्यक्ष संजीव कौशल व बद्दी विकास मंच के अध्यक्ष बेअंत ठाकुर ने नगर परिषद की इस कार्यवाही का स्वागत किया है।

रा. आ.क. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने मनाया एड्स जागरूकता सप्ताह

पांवटा (ब्यूरो). राजकीय आदर्श कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एड्स जागरूकता सप्ताह मनाया गया। जिसके तहत एन एस एस की छात्राओं द्वारा 1 दिसंबर को रैली निकली गई। 2 दिसंबर को विद्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कराई गई। प्रवक्ता नीरज माहेश्वरी तथा प्रतिभा पांडे ने इस विषय में समस्त छात्राओं को जागरूक किया। प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार ने छात्राओं को बताया कि एड्स से कैसे बचा जा सकता है। स्लोगन में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान लेने वाले विद्यार्थी पुरस्कृत हुए। इस अवसर पर गुरु संगत कौर, सीमा बोस, सारिका, नीरज माहेश्वरी, निशा, सुमित पूनम खंतवाल उपस्थित रहे।

पुनीत वर्मा की पत्नी के निधन पर एचपीयूजे गमगीन

प्रदेश के पत्रकारों ने जताया शोक

सोलन (गौतम). सोलन के युवा पत्रकार पुनीत वर्मा की पत्नी के आकस्मिक निधन पर हिमाचल का पूरा मीडिया जगत शोक की लहर में डूबा है और हर पत्रकार गमगीन और दुखी है। गौरतलब है कि पुनीत वर्मा की धर्मपत्नी का अचानक पैर फिसल जाने के बाद अचानक युवावस्था में ही मौत हो गयी थी। वर्मा की जीवन साथी और सुख दुख में सहभागी रही धर्मपत्नी के अकस्मात निधन पर एनयूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रज्ञानंद चौधरी, महासचिव शिव कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सीमा किरण, हिमाचल प्रदेश यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के प्रदेश अध्यक्ष रणेश राणा, सचिव किशोर कुमार, राज्य मीडिया प्रभारी श्याम लाल पुंडीर, प्रवक्ता सुरेन्द्र अत्तरी, एनयूजे राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य जोगिंदर देव आर्य, सुरेन्द्र, सुमित शर्मा, हेमन्त पंडित, जितेंद्र ठाकुर के अलावा कुल्लू जिला प्रधान गौरी शंकर, शम्भू प्रकाश, दविंदर ठाकुर, शालिनी, सोलन जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा, सुनील वशिष्ट, मनमोहन वशिष्ट, अरविंद कश्यप, मुकेश कुमार सलाहकार, भानुजा ठाकुर, भावना ओबराय, नवीन सूद, मनमोहन संधू, कुलदीप कृष्ण, बिलासपुर जिला प्रधान बंशीधर शर्मा, रितेश गुलेरिया अश्विनी पंडित, विक्रम ठाकुर अंजली शर्मा, शांति गौतम, घुमारवीं से मनीष गर्ग, ऊना जिला के मुख्य संयोजक तेजपाल रविंदर, संयोजक जीवन शर्मा, सुरेश बसन, अजय ठाकुर, एसडी शर्मा, संजीव दत्ता, नीना कुमारी, सरोज मोदगिल, आशुतोष शर्मा, अजय तबयाल, देवेंद्र सूद, मनोज ठाकुर, पंकज कतना, प्रीति राणा, सिरमौर के जिलाध्यक्ष राजन पुंडीर प्रताप सिंह अमित शर्मा, प्रियंका, योगेंद्र अग्रवाल दीपक जोशी, गोपाल दत्त शर्मा, वेद प्रकाश, उदय भारद्वाज, ओमपाल ठाकुर शैलेश सैनी, रमेश शर्मा, आर डी पराशर, पौण्टा से एस एल पुंडीर, जिला मंडी से संयोजक रितेश चौहान, प्रताप सिंह चौहान, अश्वनी सैनी, ललित ठाकुर पधर, गगन शर्मा, लड्डबोल से मनीष कुमार, बल्द्वारा से रंजीत ठाकुर, बैजनाथ से गौरव सूद, चंबा से विशाल आनंद, किन्नौर से आर एल नेगी, समर नेगी, विशेसर नेगी, भारतीय, रणवीर ठाकुर, उषा चौहान, सुरेन्द्र कटोच, रविंदर चन्देल, कांगड़ा से सुनील महाशा, दून जर्नलिस्ट एसोसिएशन अध्यक्ष संजीव ठाकुर, प्रेस क्लब बद्दी से ऋषि, सचिन, पवन, सुमित शर्मा, सुमित सिंगला, राकेश धीमान, बरोटीवाला से राजन नेगी, कुनिहार से प्रदीप पुरी, देवेंद्र, योगेश, अजय, अर्की से सुरेन्द्र, अजय, शहनाज, राजजीव खमोश आदि ने गहरा शोक जताया है और पीड़ित परिवार के परिवार संवेदना जताई है। दून प्रेस क्लब के अरविंद गोयल, दिनेश ठाकुर, कुलदीप गतवाल, दिनेश पुंडीर, दिनेश कनौजिया, प्रखर गुप्ता अनुराग गुप्ता, नरेंद्र सैनी, हरबख्श सिंह राजेश कुमार, भीम सिंह, रोबिन शर्मा तथा हिमवन्ती मीडिया ने भी गहरा शोक जताया है।

आईटीआई राजगढ़ में आरंभ होगें पांच अल्पावधि कोर्स

राजगढ़ (बी.आर. चौहान). बेरोजगार युवाओं के लिए आईटीआई राजगढ़ द्वारा पांच अल्पावधि प्रशिक्षण कोर्स आगामी दिसंबर माह में निःशुल्क आरंभ किए जा रहे है ताकि बेरोजगार व्यक्ति अपनी रूचि के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना कारोबार आरंभ कर सकें और इसके लिए कोई इच्छुक व्यक्ति सादे कागज पर आवेदन कर सकते है जिसके साथ आधार कार्ड, हिमाचली प्रमाण पत्र और एक फोटो लगानी अनिवार्य होगी।

यह जानकारी देते हुए आईटीआई की प्रधानाचार्य नवीन कुमारी ने बताया कि हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम के माध्यम से पांच अल्पावधि प्रशिक्षण कोर्स आरंभ किए जा रहे है जिनमें मेसन सामान्य, लाईनमेन कंस्ट्रक्शन डिस्ट्रिब्यूशन, डोमेस्टिक डाटा एंट्री ऑपरेटर, डीटीएच सेट टॉप बॉक्स इंस्टलेशन और सर्विस टेक्निशियन और ड्राफ्समैन के कोर्स शामिल हैं। इन सभी कोर्स के लिए 30-30 सीटें निर्धारित की गई है।

नवीन कुमारी ने बताया कि मेसन सामान्य के लिए वांछित योग्यता पांचवी पास और इस कोर्स की कुल अवधि 440 घंटे होगी। इसी प्रकार लाईनमेन कंस्ट्रक्शन डिस्ट्रिब्यूशन और डीटीएच सेट टॉप बॉक्स इंस्टालेशन और सर्विस टेक्निशियन के लिए वांछित योग्यता आठवीं पास रखी गई है परन्तु दसवी पास और डिप्लोमा वाले व्यक्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। इस कोर्स की कुल अवधि क्रमशः 175 और 340 घंटे होगी। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार डोमेस्टिक डाटा एंट्री अपरेटर के लिए दसवीं पास होना अनिवार्य है इस कोर्स की अवधि 400 घंटे होगी। जबकि ड्राफ्समैन के लिए भी दसवीं पास होना अनिवार्य है तथा आईटीआई प्रमाण वाले व्यक्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। इस कोर्स की अवधि 1600 से 700 घंटे होगी।

प्रधानाचार्य ने बताया कि कोर्स पूर्ण होने के उपरांत प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण सरकार एनएसडीसी के तहत प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत प्रशिक्षणार्थी को रोजगार दिलाने में भी सहायता की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कोर्स का समय कार्यालय दिवस के दौरान प्रातः साढ़े सात बजे से साढ़े 9 बजे तक होगा। इसके अतिरिक्त द्वितीय शनिवार, रविवार और अन्य राजपत्रित अवकाश के दिन भी युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त कोई भी युवा कार्यालय समय के दौरान प्रिंसीपल आईटीआई से प्रशिक्षण बारे जानकारी हासिल कर सकते हैं।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर ज्ञापन

राजगढ़ (तोमर). राजगढ़ प्राथमिक शिक्षक संघ ने एनपीएसइए (छैन्) राजगढ़ के साथ मिलकर पुरानी पेंशन को बहाल करने के लिए उप- मंडल दंडाधिकारी के द्वारा मुख्यमंत्री तथा राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा। प्राथमिक शिक्षक संघ के कर्मचारियों के साथ साथ अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। जो पेंशन की नई व्यवस्था से जूझ रहे है। प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रधान विक्रम ठाकुर ने कहा कि आज पूरे हिमाचल प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर एक साथ मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर राजगढ़ खंड के हिमाचल राजकीय अध्यापक संघ के प्रधान देवेंद्र चौहान, छैन्। राजगढ़ के प्रधान प्रवीण शर्मा तथा अन्य विभागों के अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी लोगों ने एस डी एम नरेश वर्मा से उनकी मांग को आगे प्रेषित करने का आग्रह किया। पी टी एफ (च्ज्थ्) के मुख्य ऑडिटर यशपाल ठाकुर ने कहा कि यह आंदोलन इसी तरह से ब्लॉक स्तर, जिला स्तर, राज्य स्तर तथा राष्ट्रीय स्तर पर टैब तक जारी रहेगा जब तक कि पुरानी पेंशन बहाल न हो जाये। छैन्। के जिला महासचिव दिनेश शर्मा ने बताया कि आगामी दिसंबर के महीने में राजगढ़ के समस्त विभागों के असंख्य कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर धरना प्रदर्शन भी करेंगे।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का करें प्रचार प्रसार -वर्मा

नाहन (प्रे वि). अतिरिक्त उपायुक्त प्रियंका वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का पूरे जिले में प्रचार प्रसार किया जाए ताकि सभी पात्र लाभार्थियों को इस योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पहली बार गर्भवती होने वाली महिला को 5 हजार की राशि प्रदान की जाती है। इसके बाद संस्थागत डिलीवरी होने पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी 1 हजार की राशि दी जाती है। उन्होंने कहा कि इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कोई भी आय सीमा निश्चित नहीं की गई है। यानी पहली बार गर्भवती होने वाली कोई भी महिला इस योजना का लाभ उठा सकती है। राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में जाएगी। अतिरिक्त उपायुक्त ने ये बात उपायुक्त कार्यालय में आयोजित महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने खाद्य आपूर्ति निगम को निर्देश देते हुए कहा कि निगम यह सुनिश्चित बनाए ताकि आंगनवाड़ी केंद्रों तक खाद्य पदार्थों की आपूर्ति इस तरीके से हो कि वह समय पर केंद्रों तक पहुंच सके। उन्होंने ये भी कहा कि केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण पोषण अभियान सिरमौर जिले में भी शुरू हो चुका है। उन्होंने इस बात की जरूरत पर भी जोर दिया कि पोषण अभियान तभी सफल होगा जब उसके सभी मानकों पर सशक्त तरीके से कार्य योजना के तहत काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सिरमौर जिला के सभी 1486 आंगनबाड़ी केंद्रों को स्मार्टफोन उपलब्ध करवा दिए जा चुके हैं। इसके माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों की ना केवल ऑनलाइन मानिटरिंग की जा सकेगी बल्कि इसके अलावा आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा मेंटेन किए जाने वाले विभिन्न रजिस्टरों से भी निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि जिले में प्रत्येक पंचायत के एक आंगनवाड़ी केंद्र को सशक्त महिला केंद्र के तौर पर भी स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामसभा बैठकों के माध्यम से भी महिला एवं बाल विकास विभाग के अलावा अन्य विभागों द्वारा चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाए। उद्योग केंद्र जीएस चौहान के अलावा विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

धनवीर सिंह के सिर सजा कोली समाज का ताज

पांवटा (भीम). कोली समाज ईकाई पांवटा साहिब का चुनाव पौशवाण रेटोरेंट अम्बोया में शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया। चुनाव ईकाई के पूर्व अध्यक्ष अतर सिंह चौहान की अध्यक्षता में सर्वसम्मति सम्पन्न हुआ। बैठक को सम्बोधित करते हुए ईकाई के प्रवक्ता सुनील कुमार ने चुनाव में भाग लेने के लिए सभी का आभार जताया। उसके पश्चात स्वजातियों बंधुओं द्वारा सर्वसम्मति से कार्यकारणी के सभी पदों के नाम पर हामी भरी गई।

जिसमें ईकाई के अध्यक्ष धनवीर सिंह, उपाध्यक्ष लायक राम, गीता राम, महासचिव रणवीर चौहान, सह सचिव महेन्द्र सिंह, चरण सिंह, कोषाध्यक्ष मेहर सिंह, सह कोषाध्यक्ष चतर सिंह, मीडिया प्रभारी भीम सिंह, लेखा परीक्षक मामचन्द व खेम सिंह, मुख्य प्रवक्ता सुनील कुमार, मुख्य सरक्षक किड़वा राम, मुख्य कार्यकारीणी घासी राम, दीपचन्द, तिलकराज, रुप सिंह, इन्द्र सिंह, मामचन्द प्रेम सिंह को चुना गया। जिसमें जिला कार्यकारणी के सदस्य के रूप मे अनिल कुमार व बालक राम चौहान व जिला कार्यकारणी में यशपाल सिंह व अतर सिंह को चुना गया। इस दौरान अतर सिंह, प्रवेश कुमार, सीता राम, इन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह अनिल कुमार, राजेन्द्र सिंह, सुन्दर सिंह व मदन सिंह समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

संजौली (प्रे.वि). संजौली महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा संविधान दिवस के उपलक्ष में संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के सभी स्वयंसेवियों एवं विद्यार्थियों द्वारा बढ़ चढ़कर भाग लिया गया। इसमें महाविद्यालय के प्रधानाचार्य सी.बी. मेहता मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे तथा मुख्य वक्ता के तौर पर महाविद्यालय के लोक प्रशासन की आचार्य सरिता शारदा मौजूद रही।

उन्होंने संविधान दिवस के मौके पर विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवी को संविधान की कानूनी बारीकियों के बारे में जागरूक किया। साथ ही उन्होंने छात्रों को यह संदेश भी दिया कि हम सभी को अपने संविधान के बारे में तथा अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में संविधान में दिए गए प्रावधानों को जानना तथा उन्हें अपनाना चाहिए। उन्होंने छात्रों को संविधान तथा संवैधानिक प्रावधानों का सम्मान करने की प्रेरणा दी।

इस मौके पर महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विक्रम भारद्वाज तथा विक्रम शर्मा भी मौजूद थे। उन्होंने छात्रों को भारतीय संविधान निर्माण के इतिहास के बारे में अवगत कराया। इस मौके पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सरिता शारदा ने एनएसएस स्वयंसेवकों की तारीफ करते हुए बताया कि एनएसएस लगाकर छात्रों में संविधान के प्रति तथा कानून के प्रति सम्मान का भाव उत्पन्न करने में लगा है तथा सभी स्वयंसेवी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व का वहन करने में लगे हुए हैं। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विक्रम भारद्वाज तथा मीनाक्षी शर्मा ने सभी स्वयंसेवकों कार्यक्रम के सफल आयोजन पर बधाई दी।

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने मनाया संविधान दिवस

पांवटा (ब्यूरो). राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पांवटा साहिब में 70 वॉ संविधान निर्माण दिवस मनाया गया। इसके तहत छात्राओं को संविधान दिवस की शपथ दिलाई गई। छात्राओं ने इस विषय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी भाग लिया। प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार ने संविधान के महत्व के विषय में बताया।। इस मौके पर राजनीति शास्त्र की प्रवक्ता रचना गुलेरिया ने भी संविधान दिवस पर प्रकाश डाला।

खराब मौसम के चलते मई 2020 तक नहीं होंगे शिरगुल महाराज के दर्शन-उपायुक्त

नाहन (प्रे वि). चूड़धार श्रृंखला में खराब मौसम के चलते सभी लोगों व बाहरी राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटक अपनी यात्रा आगामी मई, 2020 तक स्थगित करें यह जानकारी उपायुक्त आर.के.परुथी ने दी।

उपायुक्त ने अपील की है कि पर्वत श्रृंखला चूड़धार में स्थित शिरगुल महाराज के दर्शन के अभिलाषी वर्तमान में सर्दी व बर्फबारी के चलते यात्रा न करे, क्योंकि चूड़धार परिसर में मंदिर कमेटी के सदस्य एवं पुलिस सुरक्षा कर्मी सर्दी के मौसम में तैनात नहीं होते हैं। पर्वत श्रृंखला को जाने वाले रास्ते जंगल से होते हुए गुजरते हैं व जंगल में आजकल धुंध छाई रहती है इसलिए अपनी चूड़धार की यात्रा मई, 2020 तक स्थगित करें।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुगण यदि कोई अन्य जानकारी या चूडधार के सन्दर्भ में परिस्थितियों बारे जानकारी चाहते है तो दूरभाष नम्बर 0170-240679, 01702-240685, 01783-260647 कार्यालय उपलमण्डल पुलिस अधिकारी संगडाह, चौपाल, 01702-248051, 01783-260023, पुलिस थाना नौहराधार 01702-240685, पुलिस थाना कुपवी 01783-270123 पुलिस थाना नेरूवा 01783-264020, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार सिरमौर 1077, 01702-226401 से 226405 पर सम्पर्क कर सकते है।

चर्चित चेहरा

तंत्र-मंत्रोपचार में सिद्धहस्त हैं

शमशेर राणा

–आचार्य ओम प्रकाश 'राही'

कई बार जब चिकित्सा विज्ञान पर मंत्र विज्ञान हावी हो जाता है तब इस ओर गंभीरता से सोचने को व्यक्ति बाध्य हो जाता है। दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में 'बेन इंजरी' के 40 मरीजों पर डाक्टरों द्वारा महामृत्युंजय मंत्र जाप के असर की जांच किया जाना इसका सबल प्रमाण है। बहुत सारी घटनाएं ऐसी होती सुनी व देखी जाती हैं जब बड़े– बड़े अस्पतालों से हारकर घर बैठे रोगी तंत्र–मंत्र विद्या से ठीक होते देखे जाते हैं। इसी तंत्र मंत्रोपचार विद्या में एक सिद्धहस्त व्यक्ति हैं –शमशेर राणा।

मेरे निकटतम मित्र व नजदीकी रिश्तेदार जो नाहन, चंडीगढ़ व दिल्ली तक उपचार कराकर हार चुके थे, जो पचास हजार मासिक की दवाइयों व खून चढ़ाने पर जैसे तैसे दिन काट रहे थे, जिनमें मात्र चार ग्राम खून रह गया था और हाथ पूरी तरह पीले पड़ चुके थे, डाक्टरों ने जिन्हें घर ले जाकर यथा संभव जो कुछ भी सेवा कर कुछ दिन काटने का स्पष्ट उल्लेख कर दिया था और एक परिचित लड़की जो झल्लाहट की स्थिति में अपनी नसों को काटने की स्थिति तक पहुंच चुकी थी – जब मैंने इन दोनों मरीजों को शमशेर राणा के पास जाकर एकदम पूरी तरह स्वस्थ होते देखा तो मुझे भी इनके बारे जानने व मिलने की इच्छा जागृत हुई।

सिरमौर जनपद की पझोता घाटी के सनौरा गांव में पिता प्रताप सिंह राणा के घर माता उमावती की कोख से 6 मार्च 1965 को जन्में और तदुपरांत 1983 में स्थानीय विद्यालय से दसवीं शिक्षा प्राप्त, मनोरमा देवी से विवाह कर एक बेटे तथा एक बेटी से संयुक्त सुखी जीवन जी रहे शमशेर राणा ने बताया कि उन्हें आठवीं कक्षा में पढ़ते हुए अचानक माता की 'खेल' आ गई थी जिसे उस समय पढ़ाई में बाधा समझकर घरवालों ने शांत करवा दिया था। किन्तु 1984 में दुधम गॉव के विख्यात पंडित लेखराम शर्मा द्वारा एक भागवत कथा के अवसर पर पूर्णाहूति के समय फिर बड़े वेग में इन्हें माता की 'खेल' आई। स्वयं पंडित जी, जो इनकी माता के धर्मभाई भी थे, ने स्वयं इन्हें 'खोजंतरी' गणित विद्या सिखाने का आश्वासन दिया और तब इन्होंने उनसे चावलों के दानों से गणित विद्या को पूरी तरह से सीखा।

अब इस विद्या की ओर इनकी रुचि जगी तो इसमें और अधिक पारंगत होने के उद्देश्य से त्यूणी के प्रसिद्ध तांत्रिक भूप सिंह से लगातार 27 दिन की कठोर साधना के साथ तंत्र –मंत्र विद्या को गहनता से सीखते रहे। तदुपरांत इस विद्या के अनुरूप विभिन्न तांत्रिक सफलता दायक स्थानों में जाकर अनेक साधनाओं के साथ इस विद्या में सिद्धि प्राप्त की। इनके ग्यारह गाँवों में विशेष रूप से पूजी जाने वाली माता कटासन देवी की इन पर पूरी कृपा है और अपनी विद्या सफलता का पूरा श्रेय ये माता को ही देते हैं।

कई बार देखा जाता है कि कुछ अनिष्टकारी लोगों द्वारा किसी के अनिष्ट के विचार से उनके घरों अथवा खेतों–खलिहानों में अनिष्टकारक सामग्री दबाई होती है जिसे ये दीपक चलाकर ढूंढ निकाल बाहर फैंक अपनी विद्या से निरस्त कर देते हैं और प्रभावित व्यक्ति का मंगल हो जाता है। 'दीपक चलाना' ऐसी प्रक्रिया है जिसमें जलता हुआ दीपक मंत्र शक्ति से स्वयं चलते हुए चारों ओर घूम कर उस स्थान पर रुक जाता है जहाँ वह अनिष्टकारी सामग्री दबी होती है। फिर उसे निकाल –फैंक कर किया जाता है तंत्रोपचार। इस निमित्त ये पूरे हिमाचल ही नहीं अपितु दिल्ली, राजस्थान आदि तक जा चुके हैं।

इनकी सबसे बड़ी विशेषता जो अन्य तांत्रिकों से प्रायः हटकर है, यह है कि ये इस उपचार में मुर्गे–बकरे आदि किसी भी जीव की बलि नहीं चढ़ाते, ऐसा करना ये पाप मानते हैं। केवल मंत्र शक्ति से अभिमंत्रित चावल, जौ, तिलक आदि से ये उपचार कर लेते हैं और अधिक से अधिक अपने ईष्ट शिरगुल के नाम 'रोट' तथा माता के नाम पर 'कड़ाही' अथवा नारियल की ही बात करते हैं।

अपनी इस तंत्र –मंत्र विद्या में ये इतने सिद्धहस्त हैं, स्वभाव से उतने ही सरल व नेक दिल इन्सान हैं। 'सादा जीवन–उच्च विचार' इनके जीवन में सार्थक होता नज़र आता है। बेटा पुलिस में नौकरी कर रहा है तथा 'अर्थो हि कन्या परकीय एव....' बेटी का विवाह कर इस दायित्व से मुक्त हो चुके हैं।

अपने पुश्तैनी व्यवसाय कृषि व गोपालन से भी बराबर जुड़े हैं। वैसे तो प्रायः इनके घर पीड़ितों, जिज्ञासुओं तथा दुखियों का तांता लगा रहता है तथापि यथासंभव समय निकालकर अपने कृषि कर्म में भी मस्त रहते हैं और अपनी शंका लेकर आये लोगों के साथ अधिकांश व्यस्त रहते हैं। इनके माध्यम से किसी का भला हो सके –इससे इन्हें बड़ी प्रसन्नता होती है और इस निमित्त मॉं भगवती की कृपा को सर्वोपरि मानते हैं।

हिमाचल प्रदेश के सिधू ने न्यूज़ीलैंड में रचा इतिहास

पांवटा (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश के जिला सिरमौर स्थित पांवटा साहिब निवासी जगजीत सिंह सिधू ने धरती के स्वर्ग न्यूज़ीलैंड में आयोजित दो दिवसीय पहली न्यूज़ीलैंड सिक्ख गेम्स में भाग लेकर इतिहास रचा। अपनी व्यस्त जिंदगी से समय निकालकर सिधू ने इस खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेकर युवा पीढ़ी को फिट रहने के लिए प्रेरित किया। सिधू ने 400 मीटर की दौड़ में पहला जबकि 100 मीटर व 200 मीटर की दौड़ में तीसरा स्थान हासिल किया।

जगजीत सिधू का कहना है कि वर्तमान समय में भारत में भी सरकार द्वारा खेलों के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से हर नागरिक के अन्दर फिट रहने की एक नई जिज्ञासा उत्पन्न हुई है। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सिधू ने न्यूज़ीलैंड के सिक्ख समुदाय के आपसी सहयोग की भरपूर प्रशंसा की। जगजीत सिंह सिधू परिवार सहित न्यूज़ीलैंड में रहते हैं और अपने कार्यालय इमीग्रेशन मैटरर्ज से लोगों की इमीग्रेशन सम्बन्धी समस्याओं का समाधान करने में हर सम्भव प्रयास करते हैं।

हिमाचल किसान सभा की बैठक

पांवटा (ब्यूरो)। हिमाचल किसान सभा पांवटा साहिब तहसील कमेटी की बैठक किसान सभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला सचिव गुरविंदर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में भूपेंद्र सिंह, जोगा सिंह, गुरमीत सिंह, बेअंत सिंह, लायक राम, दारा सिंह, जगदीश चौधरी, अलीजान, क्युल्लदीन आदि ने भाग लिया। बैठक में प्रदेश एवं केंद्र सरकार द्वारा अपनाई जा रही नम्बरदारी करण की नीतियों जिनके चलते किसान घाटे का सौदा बन गई है व किसान या तो खेती छोड़ने पर मजबूर हो रहे हैं या आत्महत्या कर रहे हैं का पुरजोर विरोध किया गया व प्रदेश पर केंद्र सरकार से किसान विरोधी नीतियों की जगह किसान हितैषी समाजसेवी एवं कल्याणकारी नीतियों का लाभ करने की मांग की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि कृषि विभाग द्वारा किसानों के ट्रैक्टर पर 50 प्रतिशत अनुदान को मनमर्जी मुताबिक के पार्टी के चुनिन्दा लोगों को देने पर कड़ा ऐतराज जाहिर किया गया तथा कृषि विभाग के अधिकारियों को पक्षपातपूर्ण रवैया बदलने का आग्रह किया गया। तथा निर्णय लिया गया कि यदि विभाग ने पक्षपातपूर्ण रवैया नहीं बदलता तो तो किसान सभा कृषि विभाग की कार्यप्रणाली के खिलाफ धरना करने के लिए मजबूर होगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि जंगली जानवरों की समस्या पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई तथा आवारा पशुओं की समस्या से किसान त्रस्त है इसलिए एक ज्ञापन एसडीएम पांवटा को सौंपने का निर्णय लिया गया।

एलुमनी एसोसिएशन की बैठक

ऋषभ शर्मा अध्यक्ष, दिनेश पुंडीर बने एडवाईजर

पांवटा (ब्यूरो)। डिग्री कॉलेज पांवटा साहिब में एलुमनी एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे कॉलेज के पूर्व छात्रों ने भाग लिया। इस बैठक में सर्व प्रथम कॉलेज प्राचार्या ने पुरानी एसोसिएशन को निरस्त कर आगामी तीन साल के लिए नई कार्यकारिणी के गठन को हरी झंडी दी। उसके बाद सर्वसम्मति से एलुमनी एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें चीफ पैटर्न प्रो. देविन्द्रा गुप्ता, प्राचार्या डिग्री कालेज पांवटा साहिब को चुना गया। प्रेजिडेंट ऋषभ शर्मा तहसीलदार को चुना गया। पत्रकार दिनेश पुंडीर को एडवाईजर तथा संतोष कुमार गुप्ता को वाईस प्रेजिडेंट चुना गया। इसी प्रकार, जनरल सेक्रेटरी कांता चौहान, ज्वाइंट सेक्रेटरी सतीश कुमार, कोषाध्यक्ष सुनील भारद्वाज व इंटरनल ऑडिटर संजय कुमार को चुना गया। इस मौके पर कॉलेज प्राचार्या प्रोफेसर देविन्द्रा गुप्ता ने एलुमनी एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी को बधाई दी और इसमे अधिक से अधिक पूर्व छात्रों को जोड़ने का सभी से आह्वान किया।

प्याज का जायका गरीबों की रसोई से पिछले तीन महीनों से गायब

राजगढ़ (प्र.वि)। प्याज का जायका गरीबों की रसोई से पिछले तीन महीनों से गायब हो चुका है जबकि उच्च घराने वाले ने भी प्याज की रोजमर्रा खपत में काफी कमी कर दी गई है। प्याज की कीमतें गत तीन माह से आसमान को छू रही है और दुकानों पर प्याज 70 से 80 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है इसके अतिरिक्त मटर 80 रुपये तथ अन्य सभी सब्जियां 40 रुपये से अधिक दामों पर बिक रही है। गौर रहे कि प्याज और आलु ऐसी सब्जी होती थी जिससे गरीब की रसोई सजती थी वह आज गरीब की थाली से भी दूर हो गई है। बता दें कि अनेक गरीब परिवार प्याज के साथ नमक मिलाकर रोटी खातें है परंतु प्याज गरीब ही नहीं बल्कि अमीरों की पहुंच से भी दूर होने लगा है। इसी प्रकार लसुहन भी मार्किट में तीन सौ प्रतिग्राम हो गया है जिसे गरीब लोगों द्वारा पिछले छः माह से खाना ही बंद कर दिया गया है।

गृहिणी इंदिरा ठाकुर का कहना है कि प्याज की कीमतें बढ़ने से उन्होने प्याज खाना ही बंद कर दिया है और प्याज व लसुहन की बढ़ती कीमतों ने उनकी रसोई का बजट ही गड़बड़ा गया है। इसी प्रकार बेला देवी, कौशल्या देवी, रोशनी देवी, उषा वर्मा सहित अनेक गृहणियों ने बढ़ती प्याज की कीमतों पर रोष प्रकट करते हुए कहा कि प्याज खरीदना बेहद मुश्किल हो गया है और प्याज के बिना दाल सब्जी का जायका भी नहीं बनता है। दुकानदारों और सब्जी विक्रेताओं से जब इस बारे बात की गई तो उनका कहना है कि प्याज की खपत बहुत कम हो गई है और लोगों द्वारा प्याज बहुत कम खरीदा जा रहा है। कुछ सब्जी विक्रेताओं ने कहा कि उनके द्वारा प्याज को रखना ही बंद कर दिया गया है।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है इस बार महाराष्ट्र में बरसात के दौरान जुलाई में सूखा पड़ने के कारण प्याज की कम फसल हुई है जबकि सितंबर माह के दौरान भारी वर्षा के कारण प्याज की दूसरी फसल महाराष्ट्र व अन्य राज्यों में प्रभावित हुई। गौर रहे कि चीन के बाद भारत प्याज के उत्पादन में दूसरे स्थान पर है और देश के महाराष्ट्र राज्य में सबसे ज्यादा प्याज की उत्पादन होता है। इसके अतिरिक्त गुजरात, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, बिहार इत्यादि राज्यों में प्याज का काफी उत्पादन होता है।

रोटरी क्लब द्वारा रक्तदान शिविर

पांवटा (ब्यूरो)। रोटरी क्लब पांवटा साहिब द्वारा एचडीएफसी बैंक एवं आईएमए ब्लड बैंक के सौजन्य से गुरुद्वारा श्री पांवटा साहिब में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि एलआरवर्मा उपमंडलाधिकारी ;ना0द्ध पांवटा तथा निदेशक डेंटल कॉलेज वी.के.गुप्ता रहे। इस रक्त दान शिविर में 72 युनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस मौके पर रोटे. कुलवन्त सिंह, रोटे. नरेन्द्र पाल सिंह सहोता, रोटे. राकेश रहल, रोटे. हिमांशु भाटिया, रोटे. शांति स्वरूप गुप्ता, रोटे. सुरेश गर्ग, रोटे. मनमीत सिंह, रोटे. हशमत राय गुप्ता, रोटे. गुरप्रीत सिंह गैरी, रोटे. रिपुदमन सिंह कालरा, रोटे. अरुण शर्मा आदि शामिल थे

हिलव्यु पब्लिक स्कूल में चली नशा मुक्ति मुहिम

माजरा (हिका). हिलव्यु पब्लिक स्कूल माजरा में नशा मुक्ति मुहिम के अन्तर्गत माजरा पुलिस थाना से एच.सी.भगवत, एच/एएसआई सेवा सिंह तथा एल/सी कुलविन्द्र कौर के निरीक्षण में कक्षा नौवी व दसवीं के छात्र-छात्राओं को नशा निवारण के बारे में समझाया गया और यह शपथ दिलाई गई कि वे भी अपने जीवन में नशे से दूर रहें और अपने आसपास रह रहे नागरिकों को भी दूर रहने के लिए कहें और इसके दुष्प्रभाव से अवगत कराना था। एच.सी.भागवत द्वारा बच्चों को यह जानकारी भी दी गई कि वे सोशल मीडिया पर कोर्ट भी व्यक्तिगत जानकारी जैसे कि आधार कार्ड, एकाउंट नं., पेन नं. ओटीपी शेयर न करें। हिमाचल सरकार की इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य नशा मुक्त हिमाचल निर्माण करना है।

मानव संसाधन संस्था पांवटा में स्थापित करेगी अपना कार्यालय

पांवटा(रमौल)–दिल्ली स्थित मानव सांसाधन पांवर हाऊस नामक संस्था पांवटा साहिब में शीघ्र अपना कार्यालय खोलने जा रही है, जो पांवटा साहिब चुंगी न. 6 बांगरण रोड़ स्थित पण्डित शिवानंद रमौल परिसर में, इं. नरेन्द्र मोहन रमौल तथा अमित रमौल के सहयोग से स्थापित किया जाएगा। अपने कार्य क्षेत्र के प्रसार हेतु संस्था की वर्ष 2020 के आरम्भ में ही लगभग 50 स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने की योजना है। यह बात संस्था के सी.ईओ. मेजर अतुल मेहता ने आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कही। मेहता, जो सिरमौर जिला के निवासी है व जन्म स्थान पांवटा है, ने आगे कहा कि देखने में आया है कि विद्यार्थियों का स्कूलों में पुस्तक ज्ञान तो बहुत अच्छा सिद्ध होता है परन्तु आजीविका कमाने की दौड़ में अक्सर पिछड़ जाते है। उनकी संस्था स्कूलों में कार्यशालाओं के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों को टिप्स देती है। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूलों में शिक्षक बच्चों को पढ़ाई के साथ–साथ रूचि अनुसार कैरियर बनाने में सहयोग व मार्ग दर्शन कर सकते है, जिसके लिए संस्था उन्हें भी प्रेरित करती है। वर्तमान में बच्चों को केवल डिग्री से जुड़ी शिक्षा दी जा रही है जिसको संस्था आजीविका से जोड़ने को प्रयासरत है। संस्था विद्यार्थियों को कॉरपोरेट सैक्टर के साथ जोड़ने हेतु एक सेतू का कार्य भी करती है। हिमाचल वासी होने के नाते अपना दायित्व समझते हुए उन्होंने, युवाओं को जागरूक करने हेतू हिमाचल प्रदेश का रूख किया है।

आँथर्ज गिल्ड ऑफ हिमाचल का 15 वां अधिवेशन

कुल्लू (दीपक कुल्लुवी).ऑथर्ज गिल्ड ऑफ हिमाचल का 15 वां अधिवेशन 7 दिसंबर 2019 को देवसदन कुल्लू में आयोजित हो रहा है जिसमें लेखन और साहित्य से जुड़ी हुई पांच विभूतियों को नवाजा जाएगा। जिनके नाम हैं सुदर्शन वशिष्ठ, सरोज परमार, डॉ आशु फुल्ल, जीवन प्रकाश जोशी, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड रिटायर्ड एच. ए. एस प्रभात शर्मा को उनकी प्रतिभा के मद्देनजर दिया जाएगा। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में अवार्ड दिए जाएंगे। दोपहर 1:00 बजे भोजन उपरांत कवि सम्मेलन आरंभ हो जाएगा जो लगभग शाम 4:30 तक चलेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे सेवानिवृत्त आई.ए.एस. सी. आर. बी. ललित। यह जानकारी गिल्ड के संस्थापक अध्यक्ष जयदेव विद्रोही और कुल्लू चैप्टर प्रेजिडेंट दीपक कुल्लुवी ने दी।

सिम्पल सकलानी ने संभाला पद भार

नाहन (ब्यूरो)। जिला लोक संपर्क अधिकारी सिम्पल सकलानी ने जिला लोक संपर्क अधिकारी सिरमौर का कार्यभार संभाल लिया है। इससे पहले सूचना अधिकारी सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय शिमला में भी बेहतरीन सेवाएं दे चुके हैं।

मुद्रक, प्रकाशक और स्वामी अरविन्द गोयल द्वारा हरिओम मैनुफैक्चरर, कुंजा मतरालियों, पांवटा साहिब (हि.प्र.) से मुद्रित तथा एच–7 हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी, नाहन, जिला सिरमौर (हि.प्र.) –173001 से प्रकाशित। सम्पादक : अरविन्द गोयल। फोन: 01704-318724 फैक्स : 01704-225724, पाँवटा कार्यालय : वाई प्वाईट, मेन बाजार, पाँवटा साहिब। समस्त वाद-विवाद का न्यायिक क्षेत्र पांवटा साहिब, जिला सिरमौर होगा। PR No. : L/SLN/98/2019-21; R.N.I.No 66124/97 ; D.A.V.P No .131488